



आने वाले 30 सालों तक देश के...

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता



नई नवेली ने दो दिनों में कमाए...

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 201

गाजियाबाद / शुक्रवार 23 अक्टूबर 2026

PRGI No. - UPHIN/25/A0086

पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त

समाचार

सोनिया गांधी पहली बार सोशल मीडिया पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने गुरुवार को पहली बार अपना इंस्टाग्राम अकाउंट बनाया। उन्होंने अपनी पहली पोस्ट में आने वाली किताब का वीडियो शेयर किया। यह किताब 10 नवंबर को लॉन्च होगी। सोनिया ने पहली पोस्ट गुरुवार सुबह 9 बजे की थी। इसमें लिखा कि नमस्कार, मैं अपनी किताब आप सभी के साथ साझा करके खुश हूं। यह प्यार, करुण, अपनों को



खोने और अपनेपन की जगह तलाशने की कहानी है। मैं इसे आप सबके साथ साझा करने के लिए उत्सुक हूं। वीडियो में सोनिया अपने करीबियों और बेटी प्रियंका गांधी के साथ नजर आ रही है। इस दौरान प्रियंका ने मां को मिठाई भी खिलाई। किताब में राजीव गांधी से मुलाकात का भी जिक्र किताब में सोनिया ने इटली में बिताए बचपन से लेकर केंब्रिज में राजीव गांधी से मुलाकात तक का जिक्र किया है। इसमें नेहरू-गांधी परिवार में शादी और परिवार में हुई हत्याओं के बाद बदली जिंदगी के बारे में लिखा है। किताब की शुरुआत इटली के वेनेटो क्षेत्र में सोनिया के बचपन से होती है।

हेलीकॉप्टर्स ने गंगा के ऊपर दिल बनाया बरसाए फूल

वाराणसी (एजेंसी)। शिव की नगरी काशी में नमो घाट पर आसमान में बृहस्पतिवार की सुबह एक साथ सैकड़ों विमानों ने उड़ान भरी तो हजारों निगाहें आसमान पर टिक गईं। कुछ ही पलों में विमान नीचे आए, तेजी से पलटें और फिर ऊंचाई की ओर बढ़



गए। विमानों की लकीरों ने आसमान में तिरंगे की आकृति बनाई तो दर्शक रोमांचित हो उठे। गंगा के ऊपर आसमान में पहली बार काशी वायुसेना के शौर्य की साक्षी बनी। इस दौरान राफेल, सुखोई-30 एमकेआई, मिराज-2000 और तेजस जैसे लड़ाकू विमानों ने अपनी रफतार और युद्धक क्षमता का प्रदर्शन किया। एयर शो देखने के लिए नमो घाट से लेकर अस्सी व दशाश्वमेध के साथ ही सभी घाटों पर लोगों की भीड़ रही। इस दौरान लोगों ने आंखों के सामने विमानों का करतब देख कहा कि ये पल ऐतिहासिक है। बच्चों में काफी उत्साह दिखा। बता दें कि एयर शो में देश के 12 एयरबेस से 100 लड़ाकू विमान उड़ान भरेगे। इनमें 52 लड़ाकू, 15 परिवहन, एक विटेंज विमान और 32 हेलीकॉप्टर शामिल रहेगा।

पुलवामा में खुला आरएसएस का पहला स्थायी कार्यालय

प्रभारी बोले-बच्चे अब यहां पत्थर नहीं, किताबें उठा रहे

2019 में यहां सीआरपीएफ पर अटैक, 40 जवान शहीद हुए

पुलवामा (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े भारतीय मजदूर संघ ने बुधवार को दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के बारसू में अपना पहला स्थायी कार्यालय खोला है। इसे घाटी में संगठन की गतिविधियों के विस्तार की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। आरएसएस के कश्मीर प्रभारी समीर कुचे ने कहा कि कार्यालय खुलना बदले हुए कश्मीर की तस्वीर है। उनके मुताबिक, अब बच्चे-युवा पत्थर उठाने के बजाय किताबें थामना चाहते हैं।



वहीं, आरएसएस के अखिल भारतीय संगठन मंत्री बी. सुरेंद्रन ने कहा कि स्थायी कार्यालय से संगठन की गतिविधियों के समन्वय और कार्यकर्ताओं व स्थानीय लोगों से संपर्क बढ़ाने में मदद मिलेगी।

संघ की घाटी में गतिविधियां बढ़ाने की तैयारी

दक्षिण कश्मीर के पुलवामा में संघ के स्थायी कार्यालय का उद्देश्य घाटी में संगठन की गतिविधियों को व्यवस्थित करना और स्थानीय लोगों से संपर्क बढ़ाना है। कार्यालय के जरिए कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय मजबूत करने और जमीनी स्तर पर जुड़ाव बढ़ाने की योजना है। पुलवामा जिला लंबे समय से आतंकवाद और सुरक्षाबलों के अभियानों को लेकर चर्चा में रहा है। यहां जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर एऐतित्व है।

रामपुर जेल में आजम खान से मिले अखिलेश यादव

रामपुर (एजेंसी)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को रामपुर जेल में बंद आजम खान से मुलाकात की। दोनों के बीच एक घंटे तक बातचीत हुई। जेल में मुलाकात करने के बाद सपा प्रमुख ने भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी का लक्ष्य स्पष्ट है, हमारा सीधा उद्देश्य भारतीय जनता पार्टी को हराना है, और समाजवादी पार्टी का हर कार्यक्रम इसे हासिल करने के लिए एकतापूर्ण है। उन्होंने कहा कि बीजेपी नेताओं को लगता है कि इस बार उनका पूरी तरह सफाया होने वाला है। बीजेपी को न केवल हार का सामना करना पड़ेगा, बल्कि उत्तर प्रदेश की जनता इस पार्टी को राज्य से हमेशा के लिए खत्म कर देगी। अखिलेश यादव ने कहा कि आपने 2024 के चुनावों के नतीजे देख लिए हैं। 2027 में, हमारा फोकस पीडीए, सामाजिक न्याय और सच्चाई पर होगा।



कांग्रेस अगले 30 साल तक सत्ता में नहीं आएगी

● वोट चोरी के आरोपों पर राहुल गांधी को अमित शाह की दो टूक ● कहा-प्रदर्शन और धरने से कुछ नहीं होगा, जनता के बीच जाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। यमुना नदी के पुनरुद्धार के लिए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गुरुवार को 8,941 करोड़ की लागत वाली दिल्ली जल बोर्ड की कई परियोजनाओं का उद्घाटन किया और उनकी आधारशिला रखी। इस दौरान अमित शाह ने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की पूर्व सरकारों पर सीवर का पानी यमुना में छोड़ने का आरोप लगाया। साथ ही उन्होंने



विपक्ष के वोट चोरी और एसआईआर को मुद्दे को लेकर पलटवार भी किया। अमित शाह ने कहा, दिल्ली में एक अलग खेल चल रहा है। लगातार सरकारें भारतीय जनता पार्टी की चुनकर आ रही है। उनको पेट में दर्द है, इसलिए इन्होंने वोट चोरी का बहाना बनाया। वो कहते हैं कि भारतीय जनता पार्टी लोगों वोट से चुनकर नहीं आती। वोट चोरी करती है।

8 एमएलसी सीटों पर वोटिंग आज

● सीएम सम्राट के लिए सबसे बड़ा लिटमस टेस्ट ● आरा-बांकीपुर में हार के बाद प्रतिष्ठा है दांव पर

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के सामने एक नई और बड़ी चुनावी परीक्षा आ खड़ी हुई है। राज्य में सम्राट चौधरी के नेतृत्व में आने के बाद भाजपा को हारिल्या चुनावों में लगातार दो करारे झटके लगे हैं। आरा विधान परिषद चुनाव में मुख्य विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल ने परचम लहराया। वहीं, बांकीपुर उपचुनाव में प्रशांत किशोर ने भाजपा प्रत्याशी को हराकर बड़ा उलटफेर कर दिया। इन दो लगातार पराजयों के बाद अब राज्य की 8 एमएलसी सीटों पर मतदान शुरूवार की होना है। ऐसे में ये चुनाव सम्राट चौधरी के राजनीतिक प्रभाव और चुनावी रणनीति के लिए बेहद निर्णायक माना जा रहा है। हाल के स्थानीय और उपचुनावों में भाजपा को अपने पारंपरिक प्रभाव वाले क्षेत्रों में भी हार का स्वाद चखना पड़ा है। आरा एमएलसी सीट पर जहां राजद ने सफलता पाई, वहीं बांकीपुर उपचुनाव में जन सुराज पार्टी के चीफ और उम्मीदवार प्रशांत किशोर ने जीत दर्ज करके भाजपा के पारंपरिक गणित को ध्वस्त कर दिया। बांकीपुर की हार को भाजपा के लिए बड़ा सेटबैक माना गया था। इस बार एमएलसी चुनाव में प्रशांत किशोर की एंटी ने गुमनाम चुनाव को हाई प्रोफाइल



बना दिया है। दो प्रमुख सीटों पर मिली पराजय के बाद अब प्रदेश की नजरे कल होने वाले 8 एमएलसी सीटों के चुनाव पर टिकी हुई हैं। स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में होने वाले इस चुनाव के नतीजे राज्य की भावी राजनीति और सत्ता पक्ष के जमीनी जनाधार की असल तस्वीर साफ करेंगे। बिहार विधान परिषद में कुल 6 स्नातक और 6 शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र हैं, जिनमें 4-4 सीटों पर मतदान है। पटना (स्नातक और शिक्षक), तिरहुत (स्नातक और शिक्षक), दरभंगा (स्नातक और शिक्षक) और कोसी (स्नातक और शिक्षक) सीट शामिल है। ये भले ही आठ सीटों का चुनाव है लेकिन इसका असर कुल 30 जिलों में दिखेगा क्योंकि राज्य के 38 में से 30 जिलों में फैलाव है। लगातार दो चुनावों में पार्टी के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद भाजपा ने नेतृत्व पर दबाव काफी बढ़ गया है। कल होने वाले 8 एमएलसी सीटों के मतदान और फिर उसके बाद परिणाम ये तय करेंगे कि सम्राट चौधरी एनडीए के वोट बैंक को एकजुट रखने, सहयोगियों में तालमेल बिठाने और कार्यक्रमों का भरोसा कायम रखने में कितने सफल हो पाते हैं।

16 साल बाद भारत आए डोनाल्ड ट्रस्क

पोलैंड के प्रधानमंत्री 16 साल बाद भारत दौर पर आए हैं। इससे पहले 2010 में अपने पहले कार्यकाल में वह भारत आए थे। ट्रस्क के साथ करीब 100 पोलिश कंपनियों का कारोबारी प्रतिनिधिमंडल भी भारत आया है। पोलैंड 2030 तक भारत के साथ सालाना कारोबार दोगुना करना चाहता है। दिल्ली में अपने कार्यक्रम पूरे करने के बाद ट्रस्क 23 अक्टूबर को बेंगलुरु जाएंगे। वहां वे सूचना प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़े उद्योग प्रतिनिधियों और कारोबारियों से मुलाकात करेंगे।

कब्जा हो गया। हजारों पोलिश नागरिक बेघर हो गए, जिनमें बड़ी संख्या में बच्चे भी थे। 1942 में नवानगर रियासत के महाराजा दिग्विजय सिंह जी ने जामनगर के पास बालाचढ़ी में करीब 1,000 पोलिश बच्चों को शरण दी। उनके रहने, खाने, पढ़ाई और इलाज का इंतजाम किया गया। बच्चों को अपनी भाषा और संस्कृति से जुड़े रहने का मौका भी दिया गया। इसी मदद के कारण पोलैंड में महाराजा को 'डोब्री महाराज' यानी 'गुड महाराज' कहा जाने लगा। भारत में पोलिश शरणार्थियों को दूसरी जगहों पर भी शरण मिली। 1943 में कोल्हापुर रियासत के वलीवडे शिविर में करीब 5,000 पोलिश शरणार्थी रहे। यहां उनके लिए स्कूल और अस्पताल जैसी सुविधाएं थीं। 1945 में दूसरा विश्व युद्ध खत्म हुआ।

पोलिश पीएम भारत आए, मोदी से की मुलाकात प्रधानमंत्री मोदी ने 'गुड महाराजा' का किया जिक्र

उन्होंने पोलैंड के 1,000 बच्चों को शरण दी थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड ट्रस्क ने गुरुवार को पीएम नरेंद्र मोदी से दिल्ली के हैदराबाद हाउस में मुलाकात की। ट्रस्क 21 से 23 अक्टूबर तक भारत के दौरे पर हैं। इस मुलाकात में दोनों देशों के पुराने रिश्तों की झलक भी दिखी। मोदी ने 'गुड महाराज' का जिक्र किया। यह नाम जामनगर के महाराजा दिग्विजय सिंह जी रणजीत सिंह जी जडेजा को दिया गया था, जिन्होंने दूसरे विश्व युद्ध के दौरान पोलैंड के करीब 1,000 बच्चों को भारत में शरण दी थी। भारत बना था 5000 पोलिश बच्चों का दूसरा घर- 1939 में जर्मनी और सोवियत संघ के हमलों के बाद पोलैंड पर

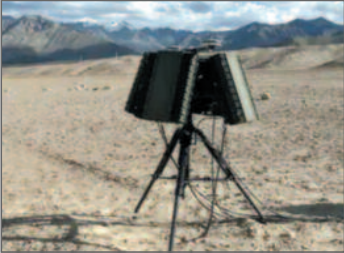


सेना के लिए 770 करोड़ के रडार खरीदेगा भारत

फाइटर जेट और छोटे ड्रोन को पहचानकर करेंगे ट्रैक

हवाई खतरों से निपटने में मदद मिलेगी, बड़ी उपलब्धि

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्रालय ने भारतीय सेना की हवाई सुरक्षा मजबूत करने के लिए बुधवार को भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के साथ करीब 770 करोड़ रूपए की डील की है। इसके तहत इम्मूल्ड लो लेवल लाइट वेट रडार खरीदे जाएंगे। ये रडार फाइटर जेट के साथ बेहद छोटे ड्रोन का भी पता लगाकर उनकी गतिविधियों को ट्रैक कर सकेंगे। ये रडार हवाई लक्ष्यों की पहचान कर यह भी तय कर सकेंगे कि किस खतरे पर पहले ध्यान देना जरूरी है। इससे दुश्मन के ड्रोन से निपटने में सेना को मदद मिलेगी। साथ ही, देश की हवाई सुरक्षा मजबूत होगी और भारत में रक्षा उपकरण बनाने को बढ़ावा मिलेगा।



स्वदेशी रक्षा निर्माण को मिलेगा बढ़ावा

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड से करीब 770 करोड़ रूपए के रडार खरीदने का करार देश में रक्षा उपकरणों के निर्माण को बढ़ावा देगा। इससे घरेलू रक्षा उद्योग और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को भी अवसर मिलने की उम्मीद है। यह पहल आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया के लक्ष्यों के अनुरूप है। रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायुसेना और नौसेना की क्षमता बढ़ाने के लिए करीब 4, 106 करोड़ रूपए के दो रक्षा करार किए।

वायुसेना को मिलेगा 2,563 करोड़ का संचार उपग्रह

मंत्रालय ने न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड के साथ जीसेट-7ए संचार उपग्रह के लिए 2,563 करोड़ रूपए का करार किया। स्वदेशी रूप से विकसित इस उपग्रह से वायुसेना के विमानों और अन्य संसाधनों के बीच सुरक्षित और बेहतर संचार व्यवस्था मजबूत होगी। भारत डायनेमिक्स लिमिटेड के साथ 1,543 करोड़ रूपए का करार किया गया। इसके तहत नौसेना के लिए स्वदेशी वरुणास्रन हेवी वेट टॉरपीडो खरीदे जाएंगे। इन्हें जहाज से दागकर दुश्मन की पनडुब्बियों को निशाना बनाया जा सकता है। इससे नौसेना की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमता बढ़ेगी।



संक्षिप्त

समाचार

दुर्गा विसर्जन में नागरिक सुरक्षा ने बढ़ाया सहयोग का हाथ

गोरखपुर , एजेंसी। दुर्गा प्रतिमा विसर्जन को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने में पुलिस-प्रशासन के सहयोग के उद्देश्य से नागरिक सुरक्षा सिविल लाइंस प्रखंड की ओर से सहायता शिविर लगाया गया। इस अवसर पर मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत सराहनीय कार्य करने वाली पांच महिला पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाली सूची में महिला उपनिरीक्षक चंदा सिंह, महिला उपनिरीक्षक जागृति खरवार, महिला कांस्टेबल अंकिता सिंह, पूर्णिमा सिंह एवं किरन चौहान शामिल रही। उद्घाटन के अवसर पर उप निबंधक सत्य प्रकाश सिंह ने कहा कि नागरिक सुरक्षा का मूल उद्देश्य अपात परिस्थितियों और सार्वजनिक आयोजनों में प्रशासन की सहायता करते हुए आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इस आयोजन में डॉ. शरद श्रीवास्तव, अखिलेश ओझा, ज्ञान प्रकाश तिवारी, संतोष श्रीवास्तव, मकेश्वरनाथ पाण्डेय, ध्यान प्रकाश तिवारी, डॉ. अमरनाथ जायसवाल, रिपुष, आकृति साहनी व पूजा कुमारी आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एसएसबी मुख्यालय में शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

लखनऊ , एजेंसी। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के सीमांत मुख्यालय में बुधवार को पुलिस स्मृति दिवस मनाया गया। इस अवसर पर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। महानिरीक्षक मीनू चौधरी ने शहीदों को पुष्प अर्पित कर नमन किया। कार्यक्रम के दौरान शहीदों को सलामी दी गई। पाइप बैंड की धुन के बीच श्रद्धांजलि कार्यक्रम संपन्न हुआ। महानिरीक्षक समेत वरिष्ठ अधिकारियों और बल के जवानों ने दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को याद किया। इस दौरान राष्ट्र की सुरक्षा, सेवा और कर्तव्यनिष्ठा के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया गया।

नैमिषारण्य परिक्रमा मार्ग के हर कोस पर रोपे जाएंगे हरिशंकर की पौधे

लखनऊ , एजेंसी। लोक भारती की ओर से प्रदेश के चारों परिक्रमा पथों अयोध्या, मथुरा, नैमिषारण्य और चित्रकूट में हर कोस पर हरिशंकरी (पीपल, बरगद और पाकड़) के पौधे रोपने का अभियान चलाया जा रहा है। यह जानकारी लोक भारती के अवध क्षेत्र अध्यक्ष पवन सिंह चौहान ने बुधवार को सुप्री प्रेम क्लब में हुई प्रेसवार्ता में दी। संगठन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री बृजेंद्र पाल सिंह ने बताया कि पहले चरण में 24 से 29 अक्टूबर तक नैमिषारण्य के 84 कोस परिक्रमा मार्ग पर पौधरोपण होगा। 24 अक्टूबर को सुबह नौ बजे चक्रतीर्थ पर पौधरोपण के साथ यात्रा शुरू होगी। हर कोस को संतों और जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में नामित कर वहां हरिशंकरी रोपी जाएगी। इन स्थानों को भविष्य में कोस पड़ाव के रूप में विकसित किया जाएगा। इस मौके पर राष्ट्रीय संगठन सचिव गोपाल उपाध्याय, संगठन सचिव श्रीकृष्ण चौधरी मौजूद रहे।

स्कॉइन लीडर अंकिता सिंह ने कहा- फौज कोई नौकरी नहीं, पूरी लाइफ़ स्टाइल है; 15 मिनट होगा करतब

वाराणसी, एजेंसी। काशी में एयर शो के दौरान सारांग हेलीकॉप्टर टीम 15 मिनट तक करतब दिखाएगी। स्कॉइन लीडर अंकिता सिंह ने कहा कि सेना में रहना नौकरी नहीं, बल्कि पूरी लाइफस्टाइल है। इसके लिए मानसिक और शारीरिक फिटनेस जरूरी है। पांच हेलीकॉप्टरों की व्यूह रचना के लिए मशहूर सारांग टीम युद्ध के साथ दुर्गम क्षेत्रों में रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए भी तैयार रहती है। काशी में एयर शो में करतब दिखाने वाले सारांग हेलीकॉप्टर्स पायलट युद्ध और रेस्क्यू के लिए भी उतने ही ड्रैड हैं। गंगा पर जो फॉर्मेशन दिखाते हैं यही युद्ध या रेस्क्यू में टैक्टिक्स बन जाती हैं। ये वायुसेना के उतने ही सैनिक हैं जितने बाकी सदस्य। देश में जरूरत आन पड़ने पर इन्हें भी उतना ही तैयार रहना होता है।

मुख्यमंत्री की शोभायात्रा रोककर एंघुलेंस को दिया रास्ता

गोरखपुर , एजेंसी। गोरखनाथ मंदिर से निकल रही शोभायात्रा के दौरान मंदिर के गेट के पास एंघुलेंस को रास्ता देने के लिए शोभायात्रा को कुछ देर के लिए रोक दिया गया। एंघुलेंस के पहुंचते ही रास्ता खाली कराया गया और उसे सुरक्षित आगे जाने दिया गया। इसके बाद शोभायात्रा फिर आगे बढ़ी।

ट्रायथलॉन बी में हर्षित, कनक और योगिता ने मारी बाजी

अलीगढ़ , एजेंसी। स्पोर्ट्स स्टेडियम में बुधवार को आयोजित जिला स्तरीय जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता में हर्षित, कनक और योगिता ने बाजी मारी। प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ी 14 से 16 नवंबर तक हैदराबाद में होने वाली 20वीं नेशनल इंटर डिस्ट्रिक्ट जूनियर एथलेटिक्स मीट में प्रतिभाग करने की तैयारी करेंगे।

जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के सचिव विवेक कुमार ने बताया कि अंडर-14 प्रथम ट्रायथलॉन बी में हर्षित बालम, प्रिंस द्वितीय और जुनेद तृतीय रहे। ट्रायथलॉन सी में आदर्श चौधरी ने पहला, नितिन ने दूसरा और तनुज ने तीसरा स्थान हासिल किया। बालिका वर्ग के ट्रायथलॉन बी में कनक चौधरी प्रथम, अनुष्का द्वितीय और दीक्षा तृतीय रहीं। ट्रायथलॉन सी में

योगिता ने पहला, दीपिका ने दूसरा और सुरभि ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। बालक वर्ग की 60 मीटर दौड़ में संदीप, प्रशांत चौधरी और निशांत सिंह क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय रहे। 600 मीटर दौड़ में शिवा पहले, धीरज दूसरे और विकास कुमार बचेल तीसरे स्थान पर रहे। लंबी कूद में आदित्य चौधरी प्रथम, हरिओम द्वितीय और प्रदीप चौधरी तृतीय रहे। भाला फेंक में हिमांश चौधरी ने पहला, अरुण चौधरी ने दूसरा और जय ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग की 60 मीटर दौड़ में साक्षी जादौन प्रथम, अदिति द्वितीय और क्षमा तृतीय रहीं। 600 मीटर दौड़ में गीतांजलि पहले और कोमल दूसरे स्थान पर रहीं। लंबी कूद में समा इस्लाम प्रथम और निशा द्वितीय रहीं। भाला फेंक में खुशी ने पहला और सुकृति ने दूसरा स्थान

एसएसबी कॉलेज पर पीएफ घोटाले का आरोप, नोटिस जारी

हापड़ (शिखर समाचार)। जनपद के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान एसएसबी डिग्री कॉलेज का नाम एक बड़े विवाद में घिर गया है। कॉलेज प्रबंधन पर शिक्षकों के भविष्य निधि (पीएफ) फंड में करोड़ों रुपये की हेराफेरी करने के गंभीर आरोप लगे हैं। इस मामले में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ), क्षेत्रीय कार्यालय मेरठ ने कॉलेज प्रबंधन को कड़ा शो-कॉज नोटिस जारी करते हुए 7 दिन के भीतर अपना जवाब दाखिल करने का अंतिम अवसर दिया है। निर्धारित समय में जवाब न मिलने पर सामाजिक सुरक्षा सहिता-2020 के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। लगातार शिकायतों के बाद एक्शन में आया ईपीएफओ संगठन को मिले नोटिस के अनुसार, कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अमित कुमार वर्मा, डॉ. सुलभ चिटकारा, डॉ. अतुल कुमार गोयल, थे. सुधीर कुमार, संजय कुमार, डॉ. कुलदीप कुमार और डॉ. राखी गुला ने 17 सितंबर 2025 से लेकर सितंबर 2026 के बीच विभिन्न तारीखों में ईपीएफओ के पास



लिखित शिकायतें दर्ज कराई थीं। शिक्षकों का आरोप है कि कॉलेज प्रबंधन हर महीने उनके वेतन से पीएफ की राशि तो काटता है, लेकिन उसे उनके पीएफ खातों में जमा नहीं किया जाता है। इस मामले में ईपीएफओ द्वारा 2 जुलाई, 17 जुलाई और 3 अगस्त 2026 को कॉलेज को तीन बार पत्र भेजे गए थे, लेकिन प्रबंधन की ओर से कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया, जिसके बाद यह नोटिस जारी करना पड़ा।

नोटिस में लगाए गए प्रमुख बिंदु:

वेतन से कटौती के बाद भी पीएफ गायब: शिक्षकों के वेतन से पीएफ का पैसा लगातार काटा गया, लेकिन यह ईपीएफओ के रिकॉर्ड में जमा नहीं मिला। कम पीएफ अंशदान: शिक्षकों की वेतन पर्ची में मूल वेतन अधिक दर्शाया गया, जबकि पीएफ का अंशदान बहुत कम राशि पर जमा किया गया। इसके अलावा, वेतन मिलने में देरी के कारण पीएफ भी महीनों लेट जमा हुआ, जिससे शिक्षकों को भारी ब्याज का चुकसान उठाना पड़ा।

सालों पुराना पीएफ बकाया: कई

शिक्षक जो वर्षों पहले नियुक्त हुए थे, उन्हें लंबे समय तक पीएफ कवरेज ही नहीं दिया गया।

नियमानुसार 20 या उससे अधिक कर्मचारी होने पर पीएफ अनिवार्य है, लेकिन आरोप है कि कॉलेज ने लंबे समय तक कई कर्मचारियों को इससे वंचित रखा। आगे की कार्रवाई की चेतावनी ईपीएफओ ने स्पष्ट किया है कि यदि तय समयसीमा के भीतर कॉलेज प्रबंधन ने पूरा रिकॉर्ड, भुगतान के पुष्टा सबूत और स्पष्टीकरण पेश नहीं किया, तो 'कोड ऑन सोशल सिक्विरीटी 2020' के तहत भारी जुर्माना, ब्याज सहित रिकवरी और अभियोजन की कार्रवाई की जाएगी। इस गंभीर खुलासे के बाद कॉलेज के शिक्षकों में भारी रोष व्याप्त है। शिक्षकों का कहना है कि यह उनके बुढ़ापे की एकमात्र सुरक्षित जमा-पूजी है, जिसके साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। वहीं, इस संबंध में प्रबंध समिति के अध्यक्ष प्रदीप गुला (भट्टे वालों) का पक्ष सामने आया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि पीएफ जमा करने में कुछ देरी जरूर हुई थी, लेकिन सभी का पीएफ जमा कर दिया गया है।

भेदभाव पर समानता की विजय ही धम्म विजय का संदेश

गोरखपुर , एजेंसी। भगवान बुद्ध की शिक्षा प्रज्ञा, करुणा, मैत्री और अहिंसा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं। हिंसा पर अहिंसा और भेदभाव पर समानता की विजय ही धम्म विजय का संदेश है। यह बात दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया, उत्तर प्रदेश-पूरब द्वारा जिला अधिवक्ता बार एसोसिएशन, कलेक्ट्रेट कचहरी में आयोजित धम्म विजय दशमी एवं सम्मान समारोह में वक्ताओं ने कही।

वक्ताओं ने कहा कि आज भेदभाव, अंधविश्वास और हिंसा को समाप्त करने के लिए शिक्षा, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और मानवीय मूल्यों को अपनाना जरूरी है। त्रिशरण और पंचशील को जीवन में उतारकर आचरण बेहतर बनाया जा सकता है। चार क्षेत्रों में दिया गया सम्राट अशोक अवादी सामाजिक क्षेत्र चित्रणडी प्रसाद, सुरेन्द्र प्रताप सिंह, गुरु प्रसाद मदन एडवोकेट। खेल क्षेत्र परवीन, कबीर, विजय भास्कर, दीप मौय्य, अमितेश कुमार आनंद, शगुन कुमारी। पत्रकारिता क्षेत्र डॉ. अनिल गौतम, सेराज अहमद कुरेशी, सुशील कुमार, अजीत कुमार यादव, डॉ. मनोज कुमार मिश्रा, रमेश कुमार चौहान। कला क्षेत्र में राजकुमार, शम्भू श्रीवास्तव, अशोक यादव बौद्ध, वीरेंद्र कुमार अम्बेडकर। मुख्य वक्ता सहायक नगर आयुक्त सुरेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि बुद्ध के विचारों को अपनाने से समाज में शांति, स्वच्छता और सद्भाव बढ़ेगा। समारोह में मुख्य अतिथि इलाहाबाद हाईकोर्ट के अधिवक्ता गुरु प्रसाद मदन रहे। भन्ते विनय कीर्ति, भन्ते संघदीप, भन्ते शान्त कुमार, भन्ते जीवक का सान्निध्य रहा। अध्यक्षता बार एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री लालमन एडवोकेट ने की। स्वागत जिला सचिव दुर्गेश चौधरी एडवोकेट ने किया।

यथार्थ ने फतह किया लुबाचे ईस्ट

अलीगढ़ , एजेंसी। बर्फ से ढंकी दुर्गम पहाड़ियां, माइनस 20 डिग्री तापमान और कम ऑक्सीजन के बीच कदम-कदम पर हौसले की परीक्षा। रास्ते मुश्किल थे, लेकिन जुनून उससे कहीं ज्यादा मजबूत। शहर के युवा उद्यमी यथार्थ गुप्ता ने नेपाल के लुंबाचे ईस्ट पर्वत तक पहुंचकर रोमांच और साहस से भरी अपनी यात्रा पूरी की। एक से 18 अक्टूबर तक चले इस अभियान में उन्होंने समुद्र तल से करीब 20 हजार फीट की ऊंचाई तक का सफर तय किया। आम उन्का अगला लक्ष्य खूबसूरत पर्वत अमा डबलम पर चढ़ाई करना है। यथार्थ गुप्ता ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि पर्वतारोहण जितना रोमांचक दिखाई देता है, वास्तविकता में उतना ही चुनौतीपूर्ण भी है।

दित्यांग मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने को प्रशासन ने तेज किया जागरूकता अभियान

देहरादून (शिखर समाचार)। विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 की तैयारियों के तहत जिला प्रशासन दित्यांग मतदाताओं को निर्वाचन प्रक्रिया से जोड़ने और सुगम मतदान सुनिश्चित करने के लिए जागरूकता अभियान चला रहा है। जिला स्वीप टीम की ओर से दित्यांगजनों को उनके मताधिकार, मतदान प्रक्रिया और निर्वाचन के दौरान उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी देकर सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

इसी क्रम में 21 अक्टूबर को डालनवाला स्थित गांधी शताब्दी अस्पताल में दित्यांगजनों के दित्यांगता प्रमाणपत्र बनाने के साथ मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान जिला स्वीप टीम ने दित्यांगजनों को मतदान के महत्व, निर्वाचन प्रक्रिया में उनकी भूमिका तथा सुगम और सुलभ मतदान की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी दी। अभियान का उद्देश्य दित्यांग मतदाताओं को जागरूक कर उनकी सहभागिता बढ़ाना रहा। वहीं, 22 अक्टूबर को जिला निर्वाचन अधिकारी, देहरादून के निर्देशन में खंड विकास



कार्यालय, डोईवाला में दित्यांगजनों के लिए मतदाता साक्षरता शिविर आयोजित किया गया। जिला निर्वाचन कार्यालय, समाज कल्याण विभाग और चिकित्सा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित शिविर में मतदाता साक्षरता, निर्वाचन संबंधी सुविधाओं और मतदान प्रक्रिया की जानकारी दी गई।

शिविर में जिला स्वीप टीम ने स्टॉल लगाकर जागरूकता गतिविधियों में भाग लिया। टीम ने दित्यांगजनों को मतदान के प्रति जागरूक करने और निर्वाचन प्रक्रिया में उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। जिला प्रशासन का उद्देश्य प्रत्येक पात्र मतदाता को बिना किसी बाधा के अपने मताधिकार का

प्रयोग करने का अवसर उपलब्ध कराना है। इसी दिशा में दित्यांगजनों सहित समाज के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, ताकि आगामी विधानसभा चुनाव में समावेशी और सुलभ मतदान व्यवस्था को प्रभावी बनाया जा सके।

गन्ने के दाम में अधिकतम बढ़ोतरी की मांग, मुख्यमंत्री योगी से मिला रालोद का प्रतिनिधिमंडल

लखनऊ (शिखर समाचार)। आने वाले पेराई सत्र 2026-27 के शुरू होने से पहले गन्ने के मूल्य में अधिकतम बढ़ोतरी की मांग को लेकर राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की है। रालोद विधानमंडल दल के नेता एवं बुढ़ाना विधायक राजपाल सिंह बालियान के नेतृत्व में मिले इस प्रतिनिधिमंडल में बागपत सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान, बिजनौर सांसद चंदन सिंह चौहान, प्रदेश सरकार के मंत्री अनिल कुमार सहित कई विधायक प्रमुख रूप से शामिल रहे।

लागत बढ़ने का दिया हवाला



मुख्यमंत्री के साथ हुई इस बैठक के दौरान रालोद नेताओं ने विस्तार से बताया कि उत्तर प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में गन्ना किसानों की रीढ़ की हड्डी जैसी भूमिका है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश समेत पूरे राज्य के लाखों परिवारों की आजीविका गन्ने की

खेती पर टिकी है। नेताओं ने कहा कि खाद, बीज, कीटनाशक दवाइयों, डीजल, सिंचाई और कृषि यंत्रों के खर्च के साथ-साथ खेतों की मजदूरी में भारी वृद्धि हुई है। फसल तैयार करने में किसानों की लागत लगातार बढ़ रही है, लेकिन उस अनुपात में

लाभ न मिलने से खेती को बचाए रखना कठिन होता जा रहा है। किसानों के हित में जल्द घोषणा की मांग

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार भी जताया। साथ ही पुरजोर मांग की कि मौजूदा महंगाई और बढ़ती लागत को ध्यान में रखते हुए इस बार गन्ने के मूल्य में अधिकतम वृद्धि की जाए तथा पेराई सत्र शुरू होने से पहले ही नए दामों की आधिकारिक घोषणा कर दी जाए। मुख्यमंत्री से मिलने वाले इस प्रतिनिधिमंडल में सांसद और मंत्रियों के अलावा विधायक गुलाम मोहम्मद, प्रसन कुमार, डॉ. अजय कुमार, अशरफ अली, प्रदीप चौधरी गुड्डू और योगेश नौडवार भी शामिल रहे। रालोद नेताओं ने इसे प्रदेश के लाखों गन्ना किसानों की भावनाओं से जुड़ा एक अहम मुद्दा बताया है।

रामराज्याभिषेक की लीला ने मोहा मन, 57वें रामलीला महोत्सव में कलाकारों का सम्मान



शामली (शिखर समाचार)। शहर के मंदिर हनुमान टीला हनुमान धाम में आयोजित 57वें रामलीला महोत्सव का भगवान श्रीराम के राजतिलक और कलाकारों के सम्मान समारोह के साथ भव्य समापन हुआ। अंतिम दिन रामराज्याभिषेक की लीला का मनोहारी मंचन किया गया। भगवान श्रीराम के अयोध्या लौटने पर नगरवासियों ने उनका भव्य स्वागत किया। पूरी अयोध्या नगरी को दीपावली की तरह सजाया गया। इसके बाद राजगुरु वशिष्ठ ने भगवान श्रीराम का राजतिलक किया। इस दृश्य को देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। समापन समारोह में मुख्य अतिथि प्रसिद्ध कथा वाचक अरविंद्र द्रष्टा ने भगवान श्रीराम की आरती की। इसके बाद भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न और बजरंगबली को तिलक लगाया गया। रामलीला में विभिन्न भूमिकाएं निभाने वाले कलाकारों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

अरविंद्र द्रष्टा ने कहा कि रामलीला का मंचन करने वाले सभी कलाकार बधाई के पात्र हैं। जिस प्रकार रामसेतु निर्माण में छोटी-सी गिलहरी का योगदान भी महत्वपूर्ण था, उसी

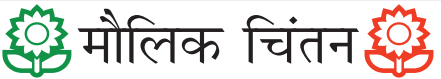
प्रकार रामलीला में प्रत्येक कलाकार की भूमिका सराहनीय होती है। भूमिका छोटी हो या बड़ी, हर कलाकार का अपना महत्व है। उन्होंने कहा कि सभी को रामचरितमानस में वर्णित आदर्शों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। समाज जब भगवान श्रीराम के आदर्शों पर चलेगा, तभी रामराज्य की भावना साकार हो सकेगी।

रामराज्याभिषेक की लीला और कलाकारों के सम्मान के साथ महोत्सव का समापन हुआ। इस दौरान रामलीला आयोजन समिति के पदाधिकारियों, सदस्यों और श्रद्धालुओं में उत्साह दिखाई दिया। कार्यक्रम में सलिल द्विवेदी, राजकुमार मित्तल, पुनीत द्विवेदी, शरद द्विवेदी, मुकुल द्विवेदी, डॉ. अनुराग शर्मा, डॉ. अमितेश शर्मा, उत्तम नामदेव, पंडित दिनेश पाठक, अमित तरार, आदेश शर्मा, वंश नामदेव, लालसिंह लचक, संजीव वर्मा, सुनील कुमार टप्पी, रोहित संगल, डॉ. सौरभ अग्रवाल, डॉ. गौरव अग्रवाल, मनोज मित्तल, आकाश धीमान, उज्ज्वल नामदेव, आर्यवंश भारद्वाज, वंश राजपुत, रवि पाठक, राधेश्याम मित्तल और गोल्डी राणा सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

संपादकीय

सोनिया गांधी की बिलॉन्गिंग: निजी स्मृतियों से राजनीति के अनकहे अध्यायों तक

भारतीय राजनीति में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं जिनकी जिंदगी केवल सत्ता, चुनाव और राजनीतिक संघर्षों की कहानी नहीं होती, बल्कि उसमें प्रेम, त्याग, पीड़ा, पारिवारिक जिम्मेदारियों और बदलते समय के साथ स्वयं को ढालने की लंबी यात्रा भी शामिल होती है। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी की आगामी पुस्तक द्वाबिलॉन्गिंग: अ जर्नी ऑफ लवल्ह इसी यात्रा की ओर देश का ध्यान खींच रही है। गुरुवार, 22 अक्टूबर 2026 को सोनिया गांधी ने सामाजिक माध्यम इंस्टाग्राम पर अपनी पहली पोस्ट के जरिए इस पुस्तक की झलक साझा की। उन्होंने इसे प्यार, कर्तव्य, अपनों को खोने और अपनेपन की जगह तलाशने की कहानी बताया। यह परिचय केवल एक पुस्तक के प्रकाशन की घोषणा नहीं है, बल्कि उस महिला की निजी दुनिया को समझने का अवसर भी है जिसने भारतीय राजनीति के सबसे उथल-पुथल भरे दौर में अपनी अलग पहचान बनाई। सोनिया गांधी की पहली पोस्ट इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि उन्होंने लंबे समय तक सामाजिक माध्यमों से दूरी बनाए रखी। सार्वजनिक जीवन में उनकी उपस्थिति प्रायः राजनीतिक कार्यक्रमों, वक्तव्यों और कांग्रेस के अधिकारिक मंचों तक सीमित रही। अब अपनी आत्मकथात्मक पुस्तक की पहली झलक साझा करने के लिए इंस्टाग्राम पर आना उनके सार्वजनिक संवाद के तरीके में एक उल्लेखनीय बदलाव है। वीडियो में वह पुस्तक की प्रतियां प्राप्त करती दिखाई देती हैं। पुस्तक में शामिल तस्वीरों को देखते हुए उनके चेहरे पर सहज प्रसन्नता दिखाई देती है और बेटी प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ मिठाई बांटने तथा गले मिलने का पारिवारिक दृश्य इस अवसर को भावनात्मक बना देता है। राजनीति के शोर से दूर यह क्षण याद दिलाता है कि सार्वजनिक जीवन में बड़ी जिम्मेदारियां निभाने वाले लोग भी निजी रिश्तों और स्मृतियों से ही अपनी भावनात्मक शक्ति प्राप्त करते हैं। इस पुस्तक का शीर्षक बिलॉन्गिंग, अर्थात अपनेपन की अनुभूति, अपने भीतर एक व्यापक प्रश्न समेटे हुए है। आखिर किसी व्यक्ति के लिए घर क्या होता है? वह स्थान जहां उसका जन्म हुआ, वह परिवार जिसमें उसने जीवन बिताया, या वह देश जिसे उसने अपना जीवन और भविष्य सौंप दिया? इटली में जन्मी सोनिया गांधी का जीवन इन सवालों का एक असाधारण उदाहरण है। युद्ध के बाद के इटली में बीता बचपन, इंग्लैंड के कैम्ब्रिज में राजीव गांधी से मुलाकात और फिर भारत आकर एक ऐसे परिवार का हिस्सा बनना जिसका नाम देश के स्वतंत्रता आंदोलन और शासन के इतिहास से जुड़ा था, उनके जीवन के निर्णायक पड़ाव रहे। किसी दूसरे देश की भाषा, संस्कृति, खानपान और सामाजिक परंपराओं को अपनाना आसान नहीं होता।



आप जिनको चलना सिखाते हैं, वो ही एक दिन आपको 'चलाने' का हुनर सीख जाते हैं।



विनय संवकोची



उमेश चतुर्गढ़ी

बांग्ला संस्कृति का मूल स्वर सहिष्णुता, उदारता और समन्वय का रहा है। उन्नीसवीं सदी में बंगाल की धरती ने नवजागरण का स्वागत किया, जिसके मूल में ईश्वरचंद्र विद्यासागर और स्वामी विवेकानंद के विचार रहे। इस समन्वय की संस्कृति का ही असर रहा कि बंगाल की ही धरती से ना सिर्फ हिंदी पत्रकारिता का उद्भव हुआ, बल्कि उसकी जड़ें मजबूत भी हुईं। लेकिन वही बंगाल बदल गया है। बांग्ला संस्कृति समन्वय के सूत्रों को कहीं पीछे छोड़ती नजर आने लगी है। अगर ऐसा नहीं होता तो कोलकाता नगर निगम के उस पोस्टर पर विवाद नहीं होता, जिसमें बांग्ला और हिंदी भाषा के शब्दों का अनूठा और कलात्मक संगम था। बांग्ला संस्कृति के प्रतीक पर्व दुर्गा पूजा के दौर में भाषायी सौंदर्य और कला के अनूठे मेल पर राजनीति ने जब सवाल उठाया तो कोलकाता नगर निगम ने अपना पोस्टर ही वापस ले लिया। शायद निगम ने सोचा होगा कि उत्साह और उल्लास का स्वाद

क्या यह सरकार की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय करने का समय है?



डॉ योगेन्द्र श्रीवास्तव

फिलहाल सिर्फ भारत में नहीं सारी दुनिया में सरकारों के खिलाफ आम आदमी का असंतोष सड़कों पर दिखाई दे रहा है। सबसे ज्यादा उथल पुथल दक्षिण पश्चिमी यूरोप में हो रही है जहां फ्रांस, स्पेन, पुर्तगाल, बेल्जियम, इटली, अल्बानिया आदि में अलग अलग गूढ़ों पर प्रदर्शन चल रहे हैं। अगर फ्रांस और इटली में स्कूलों की बढहाली से नाराजगी है तो स्पेन और पुर्तगाल के नागरिक बढ़ते

मकान किराये और महँगाई से त्रस्त हैं। अल्बानिया मंत भ्रष्टाचार के खिलाफ जन आक्रोश उमड़ रहा है और बेल्जियम में नागरिक सुविधाओं में बजट कटौती का विरोध हो रहा है। इंग्लैण्ड में पहले से ही अवैध आप्रवासियों का मुद्दा सरकार के गुले की फांस बना हुआ है। उधर अमेरिका की मुश्किलें भी मध्यावधि चुनाव के दौरान उभर कर सामने आई हैं और आम लोग राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के युद्ध प्रेम और टैरिफ मनमानी से पैदा हुई महँगाई से परेशान हैं।

वास्तव में बहुत लम्बे समय से जारी रूस-यूक्रेन, इजरायल-फिलिस्तीन और अमेरिका-ईरान के बीच जारी अंतहीन प्रतीत होने वाले संघर्षों ने सारे विश्व की अर्थव्यवस्था को तहस नहस कर दिया है और अब तो विकसित देश भी इस इस आँच में झुलस रहे हैं। इतिहास गवाह है कि संकट की घड़ी में सरकारों की असल परीक्षा होती है और यह दौर लगभग पूरी दुनिया की परीक्षा ले रहा है। इन सब असंतोष और प्रदर्शनों के बीच जो एक कॉमन फैक्टर है, वह है सरकार की जिम्मेदारी और जवाबदेही की माँग। जिन देशों में यह

गायब हो गया।

संविधान सभा में हिंदी को जितनी चुनौतियों का सामना नहीं करना पड़ा, उससे ज्यादा हिंदी इन दिनों वह चुनौतियों से जुझ रही है। वैसे तो तमिल जैसी क्षेत्रीय राजनीतिक अस्मिताएं हिंदी की राह में रोड़े डालती रही हैं। इसका साथ कभी कर्नाटक तो कभी महाराष्ट्र देता रहा है। यहां गौर करने की बात यह है कि भारतीय राष्ट्रीयता के अंतर्गत कई उपराष्ट्रीयताएं भी हैं, जिसे हम क्षेत्रीय अस्मिताओं के नाम से भी जानते हैं। भारतीय राष्ट्रीयता का मूल स्वर हिंदी के जरिए उद्घाटित होता है। जिसे हम हिंदी हाटलैंड या हृदय प्रदेश कहते हैं, वहां राष्ट्रीयता पर अपवादस्वरूप ही सवाल उठते हैं। लेकिन उपराष्ट्रीयताएं अक्सर हिंदी पर हमले के बहाने राष्ट्रीयता को प्रकाशंतर से चुनौती देती रहती हैं। तब उनका एक मात्र तर्क यही होता है कि हिंदी थोपी जा रही है। दिलचस्प यह है कि जिस भाषा ने करीब दो सौ साल तक देश को गुलाम बनाए रखा, उसे अपनाने में उपराष्ट्रीयताएं गर्व समझती हैं। संविधान सभा की आखिरी बैठक के दिन सभा के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने ठोसेतौर पर स्वीकार किया था कि भाषा की समस्या का उसे हल सभा नहीं निकाल पायी है। फिर भी उन्हें उम्मीद थी कि आने वाले दिनों में भाषा के मुद्दे पर देश गांधी की तरह सोचेगा। हालांकि महावीर प्रसाद त्यागी को ऐसी उम्मीद नहीं थी। इसीलिए उन्होंने अपने आखिरी भाषण में कहा था कि वे संविधान के पृष्ठों पर गांधीजी को खोज रहे हैं, लेकिन उन्हें गांधी नजर नहीं आया। पता नहीं, तुणमूल कांग्रेस को यह पता है या नहीं, लेकिन उसे जानना चाहिए कि आर्य समाज के प्रमुख

ग्रंथ सत्यार्थ प्रकाश को हिंदी में लिखने के लिए बांग्ला माटी के सपूत केशवचंद्र सेन ने स्वामी दयानंद सरस्वती को प्रेरित किया था। भावी भारत की संपर्क या राष्ट्रभाषा बनने की क्षमता हिंदी में देखने वाले प्राथमिक लोगों में केशवचंद्र सेन भी रहे। कांग्रेस का अध्यक्ष बनने के बाद बंगाल की माटी के क्रांतिकारी सपूत सुभाष चंद्र बोस ने ना सिर्फ हिंदी सीखने के लिए शिक्षक रखा था, बल्कि उन्होंने कोलकाता नगर निगम के अध्यक्ष के नाते पिछली सदी के तीस के दशक में हिंदी को लेकर अर्थपूर्ण भाषण भी दिया था। हिंदी पर सवाल कभी-कभी कर्नाटक में भी उठता है और किंचित महाराष्ट्र में भी। लेकिन हिंदी को स्वाधीनता से पहले से ही सबसे बड़ी चुनौती तमिलनाडु में मिलती रही है। हाल ही में तमिलनाडु के करूर और कोलंबटूर के सरकारी अस्पतालों में मरीजों को दी जाने वाली दवाओं के पर्चे के कवर पर तमिल और अंग्रेजी के साथ-साथ हिंदी में भी निदेश छापे गए थे। जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर जारी करते हुए विपक्षी द्रमुक पार्टी के नेता टी.आर.बी. राजा ने सवाल उठाया कि क्या तमिलनाडु में चुपचाप %तीन-भाषा नीति% लागू की जा चुकी है। हिंदी की ग्रंथि से प्रभावित तमिलनाडु राजनीति सवाल उठाए तो विवाद होना ही था। जब विवाद बढ़ा तो दोनों सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों ने मरीजों को दिए जाने वाले त्रिभाषी कवर का वितरण तत्काल रोक दिया और उसकी जगह तमिल और अंग्रेजी लिखी पर्चियां जारी कर दीं। तमिलनाडु में हाल ही में राजमार्ग के साइनबोर्ड पर हिंदी लिखे जाने को लेकर भी विवाद खड़ा किया गया।

शिक्षा और नागरिक सुविधाओं में कटौती हुई है जिसका प्रभाव जनता पर ही पड़ा है। इसीलिए लोग अपने टैक्स के पैसों का सही उपयोग देखना चाहते हैं जिससे आम नागरिकों का जीवन बेहतर हो सके। भारत में सरकारों से सीधे ऐसी माँग नहीं कि जाती क्योंकि अभी शिक्षा और जागरूकता का स्तर विकसित देशों जितना नहीं है। लेकिन अभाव, असंतोष और असमानता का ये कठिन समय धीरे धीरे जनमानस को आन्दोलित कर रहा है और सवाल पूछने का दौर शुरू हो गया है। यह हम देख ही रहे हैं कि सोशल मीडिया की गहरी पहुँच मुद्दों को बहुत जल्द सर्वव्यापी बना देती है इसलिए हमारी सरकारों को भी इस चुनौती का सामना जल्द ही करना पड़ेगा। देश में विकास का प्रचार जारी है लेकिन जीडीपी, विदेशी मुद्रा भंडार, व्यापार घाटा आदि जैसे जो आर्थिक आंकड़े बढ़ा चढ़ा कर पेश किये जा रहे हैं वे आम आदमी की समझ के बाहर हैं क्योंकि इस सब तथाकथित उपलब्धियों का आम नागरिकों की जिनगी पर कोई बेहतर फर्क नहीं पड़ा है। वैसे तो किसी भी नागरिक को यह कानूनी अधिकार नहीं कि वो

सरकार से टैक्स के पैसों के बारे में सवाल कर सके। कल्याणकारी राज्य की अवधारणा के चलते कई बार न्यायालय भी यह कह चुके हैं कि सरकार को पूरा अधिकार है कि वह अपने राजस्व और संसाधनों का उपयोग अपनी नीतियों और प्राथमिकताओं के अनुसार कर सके। अगर सरकार की नीतियां कैसी होनी चाहिये, यह महत्वपूर्ण प्रश्न है! आज देश में वोट बैंक के लालच में ऐसी मुफ्तखोरी की योजनाओं की भरमार है जो केन्द्र सरकार के साथ अधिकांश राज्य सरकारों के लिये गले की हड्डी बन चुकी हैं। हालात यह हैं कि सरकारें कर्ज लेकर इस योजनाओं को किसी तरह चलाने पर मजबूर हैं। एक नजरिये से लोक कल्याण के लिये ऐसी नीति का पालन करना उचित है लेकिन यदि सरकार केवल चुनावी लाभ के लिये करे तब यह निस्संदेह अनुचित है। बार बार यह सवाल भी उठया जाता है कि सरकारी खजाने से ये मुफ्तखोरी कब तक चल पाएगी और इसका देश की अर्थव्यवस्था पर क्या दुष्प्रभाव पड़ेगा। और यह भी कि ऐसी मुफ्तखोरी से किस तरह का समाज तैयार किया जा रहा है।

जन-केद्रित विकास से वैश्विक सहयोग की नई दिशा तय करेगा 12वाँ ब्रिक्स संसदीय मंच



विनोद सिंह 'तकियावाला'

नई दिल्ली के संविधान सदन में 26 और 27 अक्तूबर को होने वाला यह सम्मेलन वैश्विक संसदीय सहयोग को नई दिशा देने का अवसर है। जन-केद्रित विकास को केंद्र में रखकर होने वाला मंथन इस बात को रेखांकित करेगा कि संसदों की प्रभावशीलता का अंतिम उद्देश्य नागरिकों के हितों की रक्षा, लोकतांत्रिक जवाबदेही को मजबूत करना और आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य की आधारशिला तैयार करना है।

भारत की अध्यक्षता में 26-27 अक्तूबर को नई दिल्ली में जुटेगे वैश्विक संसदीय नेता; संस्थागत सुदृढ़ता, कुत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल परिवर्तन, वैश्विक शासन सुधार और सतत विकास पर होगा

महामंथन...

नई दिल्ली(वैश्विक राजनीति, आर्थिक सहयोग और तकनीकी परिवर्तन के मौजूदा दौर में संसदों की भूमिका केवल कानून बनाने तक सीमित नहीं रह गई है। लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती, नागरिकों की आकांक्षाओं की पूर्ति, विकास की प्रक्रिया में जनभागीदारी और अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के समाधान में संसदीय संवाद का महत्व लगातार बढ़ रहा है। ऐसे समय में भारत की अध्यक्षता में 26 और 27 अक्तूबर 2026 को नई दिल्ली में आयोजित होने वाला 12वाँ ब्रिक्स संसदीय मंच विशेष महत्व रखता है। संसद भवन परिसर स्थित संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में आयोजित इस सम्मेलन में ब्रिक्स सदस्य देशों और भागीदार देशों के संसदीय नेता जन-केद्रित विकास के लिए संसदों को सशक्त बनाने के विषय पर विचार-विमर्श करेंगे। सम्मेलन का उद्घाटन 26 अक्तूबर को होगा और इसका समापन 27 अक्तूबर को किया जाएगा।लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 22 अक्तूबर को संसद भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में सम्मेलन की रूपरेखा और प्रमुख विषयों की जानकारी देते हुए इसे भारत के संसदीय राजनय के इतिहास में एक नया अध्याय बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे और आगंतुक शिष्टमंडलों के नेताओं से भेंट करेंगे। सम्मेलन में विभिन्न देशों के पीठसीन अधिकारियों, संसदीय नेताओं, संसद सदस्यों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की भागीदारी से लोकतांत्रिक संस्थाओं के बीच संवाद को नई गति मिलने की उम्मीद है। इसमें केंद्रीय मंत्रियों, राज्य सभा के उपसभापति हरिवंश तथा राज्य विधानमंडलों के पीठसीन अधिकारियों की सहभागिता भी प्रस्तावित है।ब्रिक्स संसदीय मंच का महत्व इस तथ्य में निहित है कि यह विभिन्न देशों की संसदों को साझा चुनौतियों पर विचार करने, अनुभवों का आदान-प्रदान करने और सहयोग की संभावनाएँ तलाशने का अवसर प्रदान करता है। भारत की मेजबानी में होने वाला यह सम्मेलन ऐसे समय आयोजित किया जा रहा है, जब दुनिया तकनीकी क्रांति, आर्थिक अनिश्चितताओं, पर्यावरणीय चुनौतियों और वैश्विक शासन व्यवस्था को अधिक प्रतिनिधिक बनाने की आवश्यकता जैसे अनेक प्रश्नों से जूझ रही है। इन परिस्थितियों में संसदों के बीच नियमित संवाद केवल औपचारिक कूटनीति का हिस्सा नहीं, बल्कि जनहित से जुड़े मुद्दों पर साझा दृष्टिकोण विकसित करने का माध्यम भी बन सकता है।

जन-केद्रित विकास सम्मेलन का मूल आधार ->12वें ब्रिक्स संसदीय मंच का मुख्य विषय 'जन-केद्रित विकास के लिए संसदों को सशक्त बनाना' अपने आप में व्यापक अर्थ रखता है। विकास का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होता है, जब उसका लाभ समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुँचे और नागरिकों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन दिखाई दे। आर्थिक प्रगति के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, डिजिटल सुविधाओं और समान अवसरों की उपलब्धता भी विकास की कसौटी है। इस प्रक्रिया में संसदों की जिम्मेदारी नीतियों पर विचार-विमर्श करने, कानून बनाने, सरकारों की जवाबदेही सुनिश्चित करने और जनहित के प्रश्नों को लोकतांत्रिक विमर्श के केंद्र में रखने की है।

संसद जनता की आकांक्षाओं और शासन व्यवस्था के बीच महत्वपूर्ण सेतु होती है। विभिन्न देशों की सामाजिक, आर्थिक



और राजनीतिक परिस्थितियाँ अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने की आकांक्षा एक साझा उद्देश्य है। इसलिए संसदीय मंच पर जन-केद्रित विकास के विषय पर होने वाली चर्चा का महत्व केवल सदस्य देशों तक सीमित नहीं रहेगा। इसके माध्यम से यह समझने का अवसर मिलेगा कि बदलती परिस्थितियों में संसदें किस प्रकार अपनी संस्थागत क्षमता, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व को अधिक प्रभावी बना सकती हैं। संस्थागत सुदृढ़ता से लोकतंत्र को मिलेगी मजबूती ->सम्मेलन के पहले उच्चस्तरीय सत्र में बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने के लिए संस्थाओं को सुदृढ़ बनाने में संसदों की भूमिका पर विचार किया जाएगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता उसके संस्थागत ढाँचे, नियमों के पालन, जवाबदेही और नागरिकों के विश्वास पर निर्भर करती है। किसी भी लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है कि उसकी संस्थाएँ बदलती चुनौतियों के बीच अपनी जिम्मेदारियों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करें।

संसदों के सामने आज नीतिगत जटिलताओं, तेजी से बदलते सामाजिक परिवेश और नागरिकों की बढ़ती अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य करने की चुनौती है। ऐसी स्थिति में संसदीय प्रक्रियाओं की गुणवत्ता, जनप्रतिनिधियों की क्षमता और लोकतांत्रिक संवाद को मजबूत बनाना महत्वपूर्ण हो जाता है। विभिन्न देशों के अनुभवों का आदान-प्रदान इन चुनौतियों से निपटने के व्यावहारिक उपाय तलाशने में सहायक हो सकता है। संस्थागत सुदृढ़ता का वास्तविक उद्देश्य केवल व्यवस्थागत सुधार नहीं, बल्कि नागरिकों के प्रति जवाबदेही और जनविश्वास को मजबूत करना भी है।

कुत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल परिवर्तन पर विशेष ध्यान 12वें ब्रिक्स संसदीय मंच का दूसरा प्रमुख सत्र नवाचार, कुत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल प्रौद्योगिकियों के मानव-केन्द्रित उपयोग पर केंद्रित होगा। कुत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल तकनीक ने शासन, संचार, सूचना के आदान-प्रदान तथा सार्वजनिक सेवाओं के स्वरूप में परिवर्तन की व्यापक संभावनाएँ पैदा की हैं। इन तकनीकों का उपयोग प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाने, सूचनाओं तक पहुँच बढ़ाने और नागरिकों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।हालांकि, तकनीकी प्रगति के साथ डेटा की सुरक्षा, निजता, पारदर्शिता, जवाबदेही और तकनीक के जिम्मेदार उपयोग से जुड़े प्रश्न भी सामने आते हैं। संसदों की भूमिका इन अवसरों और चुनौतियों के बीच संतुलन स्थापित करने में महत्वपूर्ण है। कानून और नीतियाँ ऐसी होनी चाहिए, जो नवाचार को प्रोत्साहित करने के साथ नागरिकों

के अधिकारों तथा सार्वजनिक हितों की रक्षा भी करें।भारत में डिजिटल परिवर्तन के बढ़ते महत्व को देखते हुए इस विषय पर अंतरराष्ट्रीय संसदीय विमर्श विशेष प्रासंगिकता रखता है। अलग-अलग देशों के अनुभवों से यह समझने में मदद मिल सकती है कि कुत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग किस प्रकार जनहित में किया जाए और तकनीकी विकास के लाभ व्यापक समाज तक कैसे पहुँचाए जाएँ। मानव-केन्द्रित नवाचार का अंशय यही है कि तकनीक का मूल्यांकन केवल उसकी क्षमता से नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन में उसके वास्तविक योगदान से भी किया जाए।

वैश्विक शासन व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता ->सम्मेलन के तीसरे सत्र में संसदीय सहयोग के माध्यम से अधिक प्रतिनिधिक वैश्विक शासन व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विचार किया जाएगा। वर्तमान विश्व व्यवस्था में अनेक ऐसे विषय हैं, जिनका प्रभाव किसी एक देश तक सीमित नहीं रहता। आर्थिक सहयोग, तकनीकी बदलाव, पर्यावरणीय संकट और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की कार्यक्षमता जैसे प्रश्नों पर व्यापक संवाद की आवश्यकता है। ऐसे विषयों पर किसी एक देश के प्रयासों के साथ-साथ देशों के बीच सहयोग भी महत्वपूर्ण होता है।वैश्विक शासन व्यवस्था को अधिक प्रतिनिधिक बनाने का प्रश्न इस बात से जुड़ा है कि अंतरराष्ट्रीय निर्णय प्रक्रिया में विभिन्न देशों की आवाज और उनके हितों को किस प्रकार प्रभावी स्थान मिले। ब्रिक्स जैसे बहुपक्षीय मंच इस संदर्भ में विचारों के आदान-प्रदान और साझा प्राथमिकताओं की पहचान के अवसर उपलब्ध कराते हैं। संसदों के बीच सहयोग से अंतरराष्ट्रीय विषयों को लोकतांत्रिक दृष्टिकोण से समझने और नीतिगत विमर्श को व्यापक बनाने में सहायता मिल सकती है।

भारत की अध्यक्षता में आयोजित सम्मेलन इस बात पर विचार करने का अवसर देगा कि संसदीय कूटनीति वैश्विक संस्थाओं के सुधार, संवाद और सहयोग को आगे बढ़ाने में किस प्रकार योगदान कर सकती है। इसके परिणामों का महत्व केवल बैठकों तक सीमित न रहकर साझा दृष्टिकोण और भविष्य के सहयोग की दिशा तय करने में भी निहित होगा। सतत और समावेशी विकास पर साझा दृष्टिकोण ->चौथा उच्चस्तरीय सत्र सतत एवं समावेशी भविष्य के निर्माण में संसदों की भूमिका पर केंद्रित रहेगा। विकास की निरंतरता के लिए आर्थिक प्रगति के साथ सामाजिक समावेशन और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के बीच संतुलन आवश्यक है। आज लिए जाने वाले नीतिगत निर्णयों का प्रभाव आने वाली पीढ़ियों पर भी पड़ता है। इसलिए विकास की ऐसी अवधारणा को महत्व देना आवश्यक है, जिसमें वर्तमान आवश्यकताओं की

पूर्ति के साथ भविष्य की जरूरतों का भी ध्यान रखा जाए।संसदें बजट, विकास योजनाओं, कानूनों और सार्वजनिक नीतियों पर विचार-विमर्श के माध्यम से इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। विभिन्न देशों की परिस्थितियाँ भिन्न होने के बावजूद सतत विकास, समावेशी अवसर और नागरिक कल्याण जैसे विषय साझा महत्व रखते हैं। इस सत्र में होने वाला संवाद अनुभवों के आदान-प्रदान तथा नीतिगत प्राथमिकताओं को समझने का अवसर प्रदान करेगा।

संसदीय कूटनीति और क्षमता निर्माण को मिलेगा प्रोत्साहन सम्मेलन की एक महत्वपूर्ण विशेषता ब्रिक्स सदस्य देशों और भागीदार देशों की संसदों की अंतरराष्ट्रीय मामलों से संबंधित समितियों के अध्यक्षों की विशेष बैठक होगी। इस बैठक में संसदीय कूटनीति, क्षमता निर्माण और सर्वोत्तम संसदीय प्रथाओं के आदान-प्रदान पर चर्चा की जाएगी। इससे संसदीय संस्थाओं के बीच व्यावहारिक सहयोग और अनुभव साझा करने की संभावनाओं को आगे बढ़ाने का अवसर मिलेगा।लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला के अनुसार, सम्मेलन के दौरान उच्चस्तरीय पूर्ण सत्रों, समानांतर बैठकों और द्विपक्षीय संस्कारों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। भारत के उपराष्ट्रपति गणमान्य अतिथियों के सम्मान में भोज का आयोजन करेंगे। विदेशी शिष्टमंडलों के सदस्य भारतीय संसद का दौरा करने के साथ दिल्ली के सांस्कृतिक स्थलों का भ्रमण भी करेंगे। इस प्रकार सम्मेलन में औपचारिक विचार-विमर्श के साथ भारत की संसदीय परंपरा और सांस्कृतिक विरासत से परिचित होने का अवसर भी मिलेगा।सम्मेलन के संयुक्त वक्तव्य को अंतिम रूप देने के लिए 25 अक्तूबर 2026 को शिष्टमंडलों के सचिवों की बैठक आयोजित की जाएगी। संयुक्त वक्तव्य के माध्यम से विचार-विमर्श के प्रमुख बिंदुओं और साझा प्राथमिकताओं को सहमति-आधारित स्वरूप देने का प्रयास किया जाएगा। भारत की मेजबानी का व्यापक महत्व ->

12वाँ ब्रिक्स संसदीय मंच भारत के लिए अपनी संसदीय परंपराओं, लोकतांत्रिक अनुभवों और बहुपक्षीय संवाद के प्रति प्रतिबद्धता को सामने रखने का महत्वपूर्ण अवसर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति और विभिन्न देशों के संसदीय नेताओं के साथ उनकी प्रस्तावित मुलाकातें सम्मेलन को राजनीतिक एवं कूटनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण बनाती हैं। फिर भी इस आयोजन का वास्तविक सफलता का आकलन केवल भागीदारी या औपचारिक बैठकों का अवसर नहीं, बल्कि विचार-विमर्श की गुणवत्ता, साझा प्राथमिकताओं और भविष्य में सहयोग को आगे बढ़ाने की क्षमता से किया जाएगा।भारत की अध्यक्षता में आयोजित यह सम्मेलन इस व्यापक विचार को रेखांकित करता है कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती, तकनीकी नवाचार का जिम्मेदार उपयोग और समावेशी विकास एक-दूसरे से जुड़े हुए विषय हैं। यदि संसदीय संवाद से इन क्षेत्रों में बेहतर समझ और व्यावहारिक सहयोग के अवसर विकसित होते हैं, तो इसका लाभ सदस्य एवं भागीदार देशों के नागरिकों तक पहुँचाने की संभावनाएँ भी बढ़ेंगी।

नई दिल्ली के संविधान सदन में 26 और 27 अक्तूबर को होने वाला यह सम्मेलन वैश्विक संसदीय सहयोग को नई दिशा देने का अवसर है। जन-केद्रित विकास को केंद्र में रखकर होने वाला मंथन इस बात को रेखांकित करेगा कि संसदों की प्रभावशीलता का अंतिम उद्देश्य नागरिकों के हितों की रक्षा, लोकतांत्रिक जवाबदेही को मजबूत करना और आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य की आधारशिला तैयार करना है।

हम बचपन से ही दूध पीने लगते हैं लेकिन बड़े होने पर दूध का सेवन कम होता जाता है। कुछ लोग सोचते हैं कि इसके सेवन से उनके आहार में ज्यादा वसा हो जायेगा। कुछ लोग इसलिए दूध नहीं पीते क्योंकि वह सोचते हैं कि वह अब बड़े हो गये हैं इसलिए उन्हें अब इसकी जरूरत नहीं रही। दूध हमारे आहार का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

हर उम्र में जरूरी है दूध



हर उम्र में दूध क्यों जरूरी है?

बचपन

बचपन में शारीरिक और मानसिक विकास में सहायक बच्चों को ज्यादा शक्कर युक्त पेय पदार्थ नहीं बल्कि दूध देना चाहिए। दूध में मौजूद प्रोटीन संतुलित अमीनो एसिड से बनता है जो जैविक रूप से उपलब्ध है। यह आसानी से पच जाता है और शरीर में इसका इस्तेमाल होता है। दूध के कैल्शियम से बच्चे की विकासशील हड्डियाँ, दाँतों और मस्तिष्क के ऊतकों को बढ़ने में मदद मिलती है और यह कोशिकीय स्तर पर उन रासायनिक प्रतिक्रियाओं को बढ़ावा देता है जो मांसपेशियों एवं तंत्रिका तंत्र की कार्यक्षमता को संचालित करती है। अतिरिक्त पोषण तत्वों से युक्त दूध से विटामिन डी मिलता है। यह अत्यंत महत्वपूर्ण विटामिन है जो हड्डियों की मजबूती के लिए शरीर को कैल्शियम, फॉस्फोरस को पचाने में मदद करता है, लाल रक्त कोशिकाओं के उत्पादन को बढ़ाता है, पाचन और तंत्रिका प्रक्रियाओं को बढ़ावा देता है और प्रतिरोधक क्षमता को सहारा देता है। 11 साल की उम्र तक के बच्चों को रोजाना कम से कम दो बार दूध और डेयरी उत्पाद देने चाहिए।

किशोरावस्था

मजबूत हड्डियों के लिए जरूरी किशोरों को भी शुगर युक्त

पेय पदार्थों के बजाय दूध देना चाहिए क्योंकि किशोर असाधारण शारीरिक परिवर्तन से गुजरते हैं। उन्हें हार्मोन संबंधी, मांसपेशियों एवं रक्त संचार के अधिकतम विकास के लिए ऊर्जा युक्त पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों की आवश्यकता होती है। किशोरावस्था ही वह ऐसा समय होता है जब हड्डियाँ मजबूत होती हैं। ऐसे में दूध बहुत फायदेमंद हो सकता है ताकि जीवन में कभी भी आपकी हड्डियाँ में कमजोरी नहीं आए तथा ऑस्टियोपोरोसिस की समस्या न हो। दूध के आर्शयजनक फायदों के मद्देनजर किशोरों को रोजाना तीन या अधिक बार कम वसा वाले दूध उत्पादों का सेवन करना चाहिए।

वयस्क अवस्था

इस अवस्था में भी शरीर को कैल्शियम की जरूरत होती है। विटामिन डी और फॉस्फोरस के बगैर सभी उम्र के वयस्कों के लिये हड्डियों के कमजोर होने का खतरा होता है, इसलिए दूध की आवश्यकता बनी रहती है। ब्रोकोली और पालक के रूप में अन्य कैल्शियम युक्त गैर डेयरी आहार का सेवन करना अच्छा विकल्प हो सकता है। लेकिन इनमें से कुछ में ऐसे यौगिक मौजूद होते हैं जिससे कैल्शियम के अवशोषण में बाधा पड़ सकती है। पालक में ऑक्सालेट अधिक होते हैं जो कैल्शियम अवशोषण में बाधा डालते हैं जबकि ब्रोकोली आदि अन्य सब्जियों में मौजूद कैल्शियम दूध की तरह आसानी से नहीं पचता है।

कोहनी का इलाज महंगी पड़ेगी देरी



कोहनी के फ्रैक्चर को और खराब होने से बचाने के लिए तुरंत डॉक्टरों से उपचार और सर्जरी आवश्यक है। युवा कामकाजी 25 वर्षीय प्रिया कुकरेजा ने इस उम्र में इस अप्रत्याशित स्वास्थ्य समस्या के बारे में कभी नहीं सोचा था, जब तक वह दुर्घटनावश बर्फ पर फिसल नहीं गई और उनकी कोहनी टूट नहीं गयी। समय बर्बाद किए बिना उसके माता-पिता तत्काल डॉक्टरों की सहायता प्राप्त करने के लिए उसे अस्पताल ले गए। इससे उसकी कोहनी बच गयी। जब प्रिया की जांच की गई तो एक्स-रे में हड्डी के कई टुकड़ों के साथ जटिल फ्रैक्चर पाया गया। उनकी

दाहिनी कोहनी में दर्द व सूजन था। इस कारण उसे हिलाना-डुलाना मुश्किल था। तत्काल चिकित्सा सहायता की आवश्यकता थी। उनकी कोहनी का एक जटिल ऑपरेशन किया गया और हड्डी के टुकड़ों को विशेष प्लेट और स्क्रू से फिक्स किया गया।

क्या है उपचार

कोहनी ऊपरी अंग के सबसे महत्वपूर्ण भागों में से एक है। इसके फ्रैक्चर का सही ढंग से इलाज नहीं कराने पर यह काफी परेशानी पैदा कर सकती है।

कैसे होती है यह समस्या

यह कोहनी के बल गिरने या कोहनी में चोट लगने से हो सकती है। यह समस्या मोच और हड्डी या जोड़ के उखड़ जाने से भी हो सकती है। इससे रोगी को और अधिक पीड़ा होने और उसकी स्थिति और खराब होने की आशंका होती है। इसलिए ऐसी किसी भी तरह की चोट के इलाज के लिए ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ से परामर्श लेना बेहतर है।

कैसे होता है इलाज

एक्स-रे, सीटी स्कैन और एमआरआई स्कैन हड्डियों की पूरी तस्वीर और नुकसान की स्थिति को दिखा सकते हैं। यदि हड्डियों को ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचा हो तो जल्द मूवमेंट पर बल दिया जाता है।

विशेषज्ञ के पास ही जाएं

हड्डियों को सही स्थिति में एकजुट करने के लिए किसी विशेषज्ञ के द्वारा सर्जरी कराना जरूरी है। जोड़ों की हड्डियों को सही तरह से फिट किया जाना जरूरी है। कोहनी के फ्रैक्चर कई तरह के होते हैं, इसलिए सर्जरी कराने से पहले विशेषज्ञ द्वारा सही पहचान किया जाना बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है। बच्चों के मामले में बढ़ रही हड्डियों की बदलती संरचना और फ्रैक्चर की नाजुक हालत के कारण उनकी कोहनी की जांच के अधिक मुश्किल होने के कारण यह और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। ऑस्टियोपोरोसिस से ग्रस्त महिलाएं, बच्चे और बूढ़े लोगों की हड्डियाँ कमजोर होती हैं और उनके भंगुर होने की आशंका अधिक होती है। इसलिए ऐसे लोगों को तो समय रहते इस बात पर और अधिक ध्यान देना चाहिए।

नहीं झड़ेंगे बाल न ही होंगे सफेद

शहरी जीवनशैली के कारण लोगों में तनाव इतना अधिक रहता है कि उसका असर बालों तक पर देखने को मिलता है। किसी के बाल झड़ने लगते हैं तो किसी के सफेद होने लगते हैं। लेकिन योग कि कुछ क्रियाएं ऐसी समस्याओं से आपके बालों की रक्षा कर सकती हैं।



बालों का झड़ना तथा उनका असमय सफेद होना आज एक बहुत बड़ी समस्या बन गई है। कम उम्र में ही, यहां तक कि बच्चों में भी यह समस्या देखने को मिल रही है। आज की तनावमय, यांत्रिक तथा अप्राकृतिक खान-पान वाली जीवनशैली ही इस समस्या के लिए उत्तरदायी है। यौगिक क्रियाओं के नियमित अभ्यास से इस समस्या का स्थायी समाधान सम्भव है।

आसन

आसनों के अभ्यास से बालों की गम्भीर से गम्भीर समस्या का निदान संभव हो जाता है। यह इस समस्या के मूल कारण-रक्त संचालन दोष, पाचन दोष तथा ग्रंथियों के श्राव के रुकावट को दूर करता है। इसके लिए महत्वपूर्ण आसन हैं-सर्वांगासन, हलासन, शीर्षासन, ताड़ासन, पादहस्तासन, भुजंगासन, धनुरासन आदि। आठ वर्ष की आयु से अधिक के बच्चों को सूर्य नमस्कार

का प्रतिदिन अभ्यास कराना चाहिए।

त्रिकोण शिरासन की अभ्यास विधि

दोनों पैरों को आपस में जोड़ कर खड़े हो जाएं। दो गहरी श्वास-प्रश्वास लें। इसके बाद दोनों पैरों को अगल-बगल तीन से चार फिट तक फैलाएं। अब अपने दोनों हाथों को पीठ के पीछे नमस्कार की मुद्रा में रखें। फिर धीरे-धीरे आगे की ओर इतना झुकें कि सिर का ऊपरी भाग जमीन पर आ जाए। इस स्थिति में श्वास-प्रश्वास सामान्य रखते हुए आरामदायक अवधि तक रुकें। फिर पूर्व स्थिति में आएँ। उच्च रक्तचाप, हृदय रोग से पीड़ित लोग इसका अभ्यास योग्य मार्गदर्शन में करें।

विशेष

सर्वांगासन के नियमित अभ्यास से इस समस्या का पूर्ण समाधान हो जाता है। अभ्यास योग्य मार्गदर्शन में करना

चाहिए। इसके अभ्यास के बाद भुजंगासन, धनुरासन या मत्स्यासन अवश्य करें।

प्राणायाम

बालों की समस्या के समाधान में प्राणायाम बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके लिए महत्वपूर्ण प्राणायाम हैं नाडी शोधन तथा उज्जायी।

उज्जायी प्राणायाम की अभ्यास विधि

किसी भी आसन में बैठ जाएं। रीढ़, गले व सिर को सीधा करें। विशेष स्थितियों में कुर्सी पर बैठ जाएं। श्वास नली को थोड़ा संकुचित कर एक गहरी तथा धीमी श्वास नासिका द्वारा अन्दर लें तथा इसी नासिका द्वारा ही बाहर निकालें। इसी प्रकार इस क्रिया को 12 श्वास-प्रश्वास के साथ करें। धीरे-धीरे आवृत्तियों की संख्या बढ़ाते जाएं।

कैसा हो आहार- विटामिन-ए की अधिकता वाला भोजन अधिक लाभदायी होता है।

भोजन में बदलाव कर सकता है तनाव मुक्त



मेमेरी लॉस के लक्षण की शुरुआत 20 साल की उम्र से ही हो जाती है। तनाव के साथ-साथ इस समस्या के कई कारण होते हैं। कुछ चीजों को अपने रोजमर्रा के खाने में शामिल करने से इस समस्या से मदद मिल सकती है। सही पोषक तत्व दिमागी स्वास्थ्य को सही रखने में बेहतर मदद करते हैं।

सौरभ बार-बार कबड्डी का दरवाजा खोल रहा था मगर उसे याद नहीं आ रहा था कि उसे क्या काम था। कभी वह अपनी कार की चाबी रख कर भूल जाता, तो कभी कोई दूसरा सामान। जिसे याद करने में उसे काफी वक़्त लगता। हम में से काफी लोगों के साथ अक्सर ऐसा कभी न कभी होता है। हालांकि यह ज्यादा चिंता की बात नहीं है। हाल ही में एक रिसर्च में यह बात सामने आई है कि मेमेरी लॉस के लक्षण की शुरुआत 20 साल की उम्र से ही हो जाती है। तनाव के साथ-साथ इस समस्या के कई कारण होते हैं। रिसर्च में यह बात भी सामने आई है कि कुछ चीजों को अपने रोजमर्रा के खाने में शामिल करने से इस समस्या से मदद मिल सकती है। सही पोषक तत्व दिमागी स्वास्थ्य को सही रखने में बेहतर मदद करते हैं। ऐसा भोजन जिसमें विटामिन ई, विटामिन बी-वन, बी-टू और विटामिन सी की भरपूर मात्रा मौजूद हो तो मस्तिष्क स्वस्थ रहता है। विटामिन ई में मौजूद एंटी आक्सीडेंट मस्तिष्क में मौजूद न्यूरोन्स या नर्व कोशिकाओं को सुरक्षा देता है। अलजाइमर जैसी बीमारियों में मस्तिष्क के कुछ भागों में न्यूरोन्स खत्म होने लगते हैं। अगर यह लगातार खत्म होते जाते हैं, तो याददाश्त में विकृति आनी शुरू हो जाती है। आजकल की लाइफस्टाइल को देखते हुए हमें हेल्दी खाना खाने की ज्यादा जरूरत है। कुछ ऐसा खाना जिसमें विटामिन ई की मात्रा भी हो। जो मस्तिष्क को स्वस्थ रखने में मदद करता है। ऐसा नहीं कि आप इसे खाने के साथ ही लें इसे कभी भी लिया

जा सकता है। इस बात का ध्यान जरूर रखें कि यह पका हुआ होना चाहिए। सूरजमुखी और तिल के बीज विटामिन ई के अच्छे स्रोत माने जाते हैं। एक आउंस सूरजमुखी के भुने बीज आपकी हर रोज की 30 प्रतिशत कमी पूरी कर देते हैं। इसे सलाद के ऊपर छिड़क कर खाने से मस्तिष्क को पोषण मिलता है। तिल के बीज में भी विटामिन ई की भरपूर मात्रा होती है। इसे आप सब्जी व दाल में खाने से पहले मिला सकते हैं। दही में मिलाकर भी खाने से फायदा होता है। सीताफल के बीज भी बेहद फायदेमंद होते हैं क्योंकि यह जिंक से भरपूर होते हैं।

आम में विटामिनस, मिनरल्स और एंटीआक्सीडेंट की भरपूर मात्रा होती है। इसके सेवन से दिल, मस्तिष्क और शरीर के दूसरे हिस्सों की मांसपेशियों में नर्व उत्तम को ताकत मिलती है। एवोकाडो फल में भी एंटीआक्सीडेंट, विटामिन ई और सी की उच्च मात्रा पाई जाती है। यह अलजाइमर जैसी बीमारी को बढ़ने से रोकने में कारगर होती है। मछली में प्रचुर मात्रा में पाया जाने वाला प्रोटीन रेड मीट से ज्यादा स्वास्थ्यवर्धक होता है। दूसरे कई प्रोटीन स्रोतों में हार्ड सेचुरेटेड फैट होता है। मगर इस बात का भी ध्यान रखें कि मछली की सारी प्रजाति आपके लिए लाभदायक नहीं होती। सॉलमन, मैकेरल और टूना मछली में दिल को स्वस्थ रखने वाला ओमेगा-3 फैटी एसिड मौजूद होता है। साथ ही इसमें मौजूद डीएचए मस्तिष्क के न्यूरोन्स को सामान्य रखने के लिए जरूरी तत्व होता है। मूंगफली और पीनट बटर में हेल्दी फैट के साथ-साथ प्रचुर मात्रा में विटामिन ई होता है। इसमें मौजूद फैट और विटामिन ई दिल और दिमाग दोनों को स्वस्थ रखता है और ठीक से काम करने में मदद करता है। दूसरे नट्स में बादाम, अखरोट और हैज़ेलनट भी ब्रेक को सही रखने में मदद करते हैं। रिसर्च में यह बात सामने आई है कि साबुत अनाज, हरी पत्तेदार सब्जियाँ और नट्स दिमाग और दिल दोनों के लिए लाभदायक हैं। पालक और ब्रोकोली भी एंटीआक्सीडेंट से भरपूर हैं। जब आप इन्हें पका कर खाते हैं तो इसका फायदा दुगुना हो जाता है। एक कप कच्चा पालक जहां हर रोज की विटामिन ई की जरूरत का 15 प्रतिशत पूरा करता है, वहीं आधा कप पका पालक 25 प्रतिशत। आप इन्हें हल्का फाई कर या स्टीम कर खा सकते हैं। हरी सब्जियाँ दिमाग को दुरुस्त रखने में मदद करती हैं। रिसर्च में पता चलता है कि स्ट्राबेरी, ब्लूबेरी और यहां तक अकाईबेरीज याददाश्त को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाती हैं। ब्लूबेरीज दिमाग के लिए सबसे बेहतर मानी जाती है। हालांकि इसमें फाइबर उच्च मात्रा में होता है और ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है इसलिए यह डायबिटीज के मरीजों के लिए भी सुरक्षित है। यह फल शक्तिशाली एंटीस्ट्रेस फूड है। मगर सूखे और मीठे ब्लूबेरीज को ना खाएं।

जीएसटी रिटर्न फॉर्म में प्रस्तावित बदलाव पर मंत्रालय मांगेगा कारोबारियों से राय

फॉर्म 1 अप्रैल, 2027 से प्रभावी; ऑडिट प्रक्रिया भी होगी सरल

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्रालय मासिक जीएसटी रिटर्न फॉर्म में प्रस्तावित बदलावों पर 1 नवंबर से कारोबारियों से राय मांगेगा। इसका उद्देश्य कर प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना, विसंगतियों को कम करना और अनुपालन बोझ को आसान बनाना है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के एक अे अधिकारी ने बताया कि जीएसटी परिषद की 57वीं बैठक में देनदारियों और इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) में संशोधन के लिए एक वैकल्पिक व्यवस्था को मंजूरी मिली थी। इन बदलावों का लक्ष्य जीएसटीआर-1, जीएसटीआर-1ए और आईएफएफ में दी गई जानकारी का जीएसटीआर-3बी से बेहतर मिलान कर नोटिस जारी करने की जरूरत घटना है। संशोधित फॉर्म एमवाईजीओवी मंच पर 1 से 30 नवंबर तक सार्वजनिक परामर्श के लिए उपलब्ध रहेंगे। इन्हें 1 अप्रैल, 2027 से लागू करने की योजना है। विभाग जीएसटी ऑडिट प्रक्रिया को भी सुव्यवस्थित करेगा, ताकि करदाताओं को अनावश्यक परेशानी न हो। फिलहाल, बहु-राज्यीय कारोबारों को अक्सर कई ऑडिट का सामना करना पड़ता है, जिसे कम करने पर भी विचार किया जा रहा है।

वित्तीय संस्थानों की वृद्धि का मंत्र शक्ति, समृद्धि और विवेक- आरबीआई

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे ने वित्तीय संस्थानों की वृद्धि का आकलन करने के लिए एक नया दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है। उन्होंने जोर दिया कि संस्थानों का विकास केवल उनके आकार से नहीं, बल्कि मजबूत नियंत्रण व्यवस्था, कामकाज में निष्पक्षता और बही-खातों की गुणवत्ता के आधार पर किया जाना चाहिए। स्वामीनाथन ने बताया कि वित्तीय संस्थानों की मजबूती ही उनकी वृद्धि की नींव होती है। उन्होंने नवरात्रि के उदाहरण से समझाया कि पहले शक्ति (दुर्गा), फिर समृद्धि (लक्ष्मी) और अंततः उसे बनाए रखने के लिए बुद्धिमत्ता एवं विवेक (सरस्वती) की आवश्यकता होती है। इसी क्रम में, दिवाली पर शुभ लाभ लिखने की परंपरा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इसमें केवल लाभ (कमाई) ही नहीं, बल्कि उसकी शुभ (गुणवत्ता और वैधता) भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। सही निर्णय और बेहतर संचालन व्यवस्था ही वृद्धि को टिकाऊ बनाते हैं।

पयूजन सीएक्स का शेयर एनएसई पर 5.5 फीसदी बढ़त के साथ सूचीबद्ध

कंपनी का बाजार पूंजीकरण 4,300 करोड़ रुपये के पार



नई दिल्ली ।

कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित ग्राहक अनुभव समाधान देने वाली कंपनी पयूजन सीएक्स लिमिटेड ने गुरुवार को शेयर बाजार में शानदार शुरुआत की। कंपनी का शेयर अपने निर्गम मूल्य 289 रुपये से अधिक प्रीमियम पर सूचीबद्ध हुआ, जिससे निवेशकों में उत्साह दिखा। पयूजन सीएक्स का शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 5.54 प्रतिशत की बढ़त के साथ 305 रुपये पर खुला। वहीं, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर यह 1.04 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 292 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। सूचीबद्ध होने के बाद, कंपनी का बाजार पूंजीकरण एनएसई पर 4,310 करोड़ रुपये और बीएसई पर 4,340 करोड़ रुपये से अधिक रहा। पयूजन सीएक्स के 702 करोड़ रुपये के आर्थिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बोली लगाने के अंतिम दिन 4.45 गुना अभिदान मिला था। कंपनी आईपीओ से जुड़ाई गई राशि में से 275 करोड़ रुपये का इस्तेमाल कर्ज चुकाने के लिए करेगी, जबकि 61 करोड़ रुपये अनुवर्गी कंपनियों में निवेश किए जाएंगे। शेष राशि का उपयोग अधिग्रहण और अन्य रणनीतिक पहलों के लिए होगा। कंपनी दूरसंचार, स्वास्थ्य सेवा, बैंकिंग और खुदरा सहित विभिन्न क्षेत्रों को सेवाएं प्रदान करती है।

पोस्ट ऑ फिस एफडी स्कीम-3 साल के लिए 5 लाख जमा करने पर मिलेंगे 6.18 लाख

छोटी बचत की सरकारी योजना में अलग-अलग अवधि पर 7.50 फीसदी तक ब्याज

नई दिल्ली । शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव से दूर, सुरक्षित और तय रिटर्न की तलाश करने वालों के लिए पोस्ट ऑफिस टाइम डिपॉजिट (पीओटीडी) एक आकर्षक विकल्प है। भारत सरकार द्वारा समर्थित यह योजना बैंक एफडी की तरह ही काम करती है, जहाँ आपका निवेश पूरी तरह सुरक्षित रहता है और आपको निश्चित ब्याज मिलता है। यह सरकारी स्कीम भारत की छोटी

बचत योजनाओं का हिस्सा है, जिसमें जमा आपका पूरा पैसा सुरक्षित रहता है। आप इसमें न्यूनतम 1,000 रुपए से निवेश शुरू कर सकते हैं और अधिकतम की कोई सीमा नहीं है। इसमें जमा पूंजी पर बाजार के जोखिमों का कोई असर नहीं होता, क्योंकि ब्याज दर पहले से तय होती है। पोस्ट ऑफिस टाइम डिपॉजिट में अलग-अलग अवधियों के लिए ब्याज दरें अलग होती हैं। वर्तमान

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 460, निफ्टी 123 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज विदेशी निवेशकों की निकासी से भी बाजार पर दबाव आया। बाजार में चौतरफा कमजोरी देखी गई, जिसका मुख्य कारण वैश्विक कमजोर संकेत, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और घरेलू बॉन्ड यील्ड में उछाल रहा। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 460.30 अंक टूटकर 73,249.39 पर और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 123.70 अंक नीचे आकर 22,687.65 पर बंद हुआ। आज सबसे ज्यादा नुकसान छोटे शेयरों वाले सेक्टर पर पड़ा। निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप में गिरावट रही। गत दिवस जहां बाजार पूंजीकर 4,62,37,678.67 करोड़ था। जो आज घटकर ₹4,58,35,517.82 करोड़ रह गया। जिससे निवेशकों को एक ही दिन के अंदर ₹4,02,160.85 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। आज एफएमसीजी से लेकर आईटी और ऑटो सेक्टर में भी गिरावट रही। केवल पीएस्स्यू बैंक और फार्मा सेक्टर के शेयर ही टिक पाये। चौतरफा बिकवाली के इस दौर में कुछ ही शेयरों में तेजी रही। बीएसई सेंसेक्स पर कुल 30



शेयर लिस्टेड हैं, जिनमें से आज 19 शेयर गिरे पर केवल 11 शेयरों में बढ़त रही। सबसे अधिक तेजी आज बजाज फाइनेंस में देखने को मिली। , जो 939.95 रुपये पर बंद हुआ। इसके अलावा अल्ट्राटेक सीमेंट भी बढ़त के साथ 10,975.00 रुपये और आईसीआईसीआई बैंक

1,394.80 रुपये पर बंद हुआ।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ शुरू हुआ। सुबह बैंचमार्क इंडेक्स गिरावट के साथ खुले और दिन भर बिकवाली का दबाव जारी रहा, जिससे सेंसेक्स 73,100 और निफ्टी 22,600 के महत्वपूर्ण स्तरों से नीचे फिसल गए।

आरबीआई- रीपो रेट में कटौती नहीं, महंगाई बढ़ने पर बढ़ सकती हैं दरें

समिति सदस्यों ने महंगाई पर जताई चिंता

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने स्पष्ट कर दिया है कि निकट भविष्य में रीपो रेट में कटौती की कोई संभावना नहीं है। इसके बजाय, यदि महंगाई का दबाव बढ़ता है, तो ब्याज दरें और भी बढ़ाई जा सकती हैं। हाल ही में जारी मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की अक्टूबर 2026 की बैठक के ब्योरे से यह जानकारी सामने आई है, जिसमें समिति के सदस्यों ने बढ़ती महंगाई को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है। एमपीसी सदस्यों ने विशेष रूप से चिंता व्यक्त की है कि महंगाई अब केवल खाने-पीने की चीजों और ईंधन तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि इसका प्रभाव अन्य वस्तुओं और सेवाओं तक भी फैल रहा है। आरबीआई का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष की है कि महंगाई अब केवल खाने-पीने की चीजों और ईंधन तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि इसका प्रभाव अन्य वस्तुओं और सेवाओं तक भी फैल रहा है। आरबीआई का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर से दिसंबर) के बीच खुदरा महंगाई बढ़कर 6 फीसदी तक पहुंच सकती है, जो केंद्रीय बैंक की ऊपरी सहनशीलता सीमा है। देश में खुदरा महंगाई जुलाई के 4.5 फीसदी से बढ़कर अगस्त में 4.8 फीसदी हो गई थी, और कोर महंगाई भी 4.2 फीसदी तक पहुंच गई है। समिति ने इस बात पर भी गौर किया कि थोक स्तर पर उत्पादन में इस्तेमाल होने वाली चीजों की कीमतें लगभग 9 फीसदी बढ़ रही हैं, जिससे कंपनियां लागत का बोझ ग्राहकों पर डाल रही हैं। अक्टूबर की बैठक में, एमपीसी के सभी छह सदस्यों ने रीपो रेट को 0.25 फीसदी बढ़ाकर 5.50 फीसदी करने के पक्ष में मतदान किया था। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने स्पष्ट किया कि मौद्रिक नीति का रुख बदलने का उद्देश्य यह साफ संदेश देना है कि निकट भविष्य में रीपो रेट में कटौती नहीं होगी।

ई-मुद्रा के शेयर 20 फीसदी धड़ाम, 52 सप्ताह के निचले स्तर पर

नई दिल्ली ।

डिजिटल प्रमाणपत्र जारी करने वाली कंपनी ईमुद्रा के शेयर गुरुवार को लगभग 20 प्रतिशत टूटकर 52 सप्ताह के निचले स्तर पर आ गए। सरकार द्वारा कंपनी में हुई एक गंभीर सुरक्षा घटना की जांच के लिए विशेष दल गठित करने की घोषणा के बाद कंपनी के शेयर में यह भारी गिरावट दर्ज की गई। एनएसई पर कंपनी का शेयर 346 रुपये प्रति शेयर पर बंद हुआ। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना

प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने ईमुद्रा में निजी सुरक्षा कुंजियों (प्राइवेट की) के प्रभावित होने की घटना की गहन जांच के लिए एक विशेष दल का गठन किया है। यह मामला तब सामने आया जब भारतीय डिजिटल प्रमाणन प्राधिकरण ईमुद्रा ने खुलासा किया कि उसके डिजिटल प्रमाणपत्रों से जुड़ी कुछ निजी कुंजियों की सुरक्षा में संध लगी है। इसके बाद, साइबर सुरक्षा एजेंसी भारतीय कंप्यूटर अपात प्रतिक्रिया दल (सीईआरटी-इन) ने भी इस संबंध में एक परामर्श



जारी किया है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि यह घटना मुख्य रूप से ईमुद्रा के वैश्विक डिजिटल प्रमाणपत्र कारोबार से संबंधित है और भारतीय वेबसाइटों तथा ऐप्स

पर इसका असर बहुत सीमित रहा है। मंत्रालय ने कुछ सोशल मीडिया खतों पर इस घटना के बारे में अनावश्यक डर फैलाने का आरोप भी लगाया।

भारत-ब्रिटेन समझौते से भारतीय खाद्य निर्यात को मिलेगी नई उड़ान

प्रसंस्कृत खाद्य, झींगा व इंस्टेंट कॉफी पर शुल्क खत्म



नई दिल्ली ।

भारत और ब्रिटेन के बीच हाल ही में लागू हुए व्यापार समझौते (सीईटीए) से भारतीय प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों, झींगा और इंस्टेंट कॉफी के लिए ब्रिटिश बाजार के द्वार खुल गए हैं। उद्योग निकाय टीपीसीआई के अनुसार, इन उत्पादों पर से शुल्क हटने से भारतीय निर्यातकों को ब्रिटेन में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने का सुनहरा अवसर मिलेगा। टीपीसीआई के एक अे अधिकारी ने बताया कि ब्रिटेन सालाना 50.68 अरब डॉलर के प्रसंस्कृत खाद्य आयात का बड़ा बाजार है, जिसमें भारत की हिस्सेदारी महज 0.6 फीसदी है। नए समझौते के तहत प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों पर 70 फीसदी तक, झींगा पर 4.2 से

8.5 फीसदी तक और इंस्टेंट कॉफी पर लगने वाले शुल्क समाप्त हो गए हैं। इससे भारतीय उत्पादों को तत्काल प्रतियस्पर्धी लाभ मिलेगा। द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए, टीपीसीआई ने ब्रिटेन-भारत व्यापार परिषद (यूकेआईबीसी) के साथ एक रणनीतिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह साझेदारी व्यापारिक प्रतिनिधिमंडलों के दौर, बाजार संबंधी जानकारी साझा करने और दोनों देशों के लघु व मझोले उद्यमों (एसएमई) के लिए वृद्धि के अवसर सृजित करने पर केंद्रित है। हाल ही में लंदन में एक व्यापार संवर्धन कार्यक्रम भी आयोजित किया गया था, जिसमें भारतीय निर्यातकों और ब्रिटिश आयातकों ने हिस्सा लिया।

सोने में 1800 और चांदी में 5500 से अधिक की गिरावट

नई दिल्ली ।

देश के सर्राफा बाजारों और कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) दोनों पर गुरुवार को सोने-चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है, जिससे खरीदारी का बेहतरीन अवसर बन गया है। कमोडिटी एक्सचेंज एमसीएक्स पर 10 ग्राम सोना 1829 रुपए टूटकर 1,44,250 रुपए पर आ गया।

वहीं, चांदी की कीमतों में भी भारी गिरावट देखने को मिली, जो 5504 रुपए फिसलकर 2,03,664 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1,300 की गिरावट के साथ 1,49,000 रुपए प्रति 10 ग्राम (करों सहित) पर पहुंच गया। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 1,50,300 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

इसी तरह लगातार दो सत्रों तक स्थिरता के बाद चांदी में भी बड़ी टूट दर्ज की गई। चांदी 1,600 सस्ती होकर 2,13,400 रुपए प्रति किलोग्राम रह गई, जबकि सोमवार को इसका भाव 2,15,000 रुपए प्रति किलोग्राम था। कीमती धातुओं की कीमतों में इस बड़ी गिरावट का मुख्य कारण मजबूत होता भारतीय रुपया, वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख और कच्चे तेल की ऊंची कीमतें बताई जा रही है। यह स्थिति निवेशकों को सतर्कता के साथ खरीदारी का मौका दे रही है।

म्युचुअल फंड एनएफओ में सितंबर में बड़ी गिरावट

सितंबर में 67 फीसदी कम जुटाया, एसआईपी ने छुआ रिकॉर्ड स्तर

नई दिल्ली ।

म्युचुअल फंड की नई स्कीमों (एनएफओ) में निवेश सितंबर महीने में नाटकीय रूप से गिरा है। अगस्त के मुकाबले लगभग 67 फीसदी की भारी कमी के साथ, नई स्कीमों ने केवल 2,372 करोड़ रुपये जुटाए, जबकि पिछले महीने यह आंकड़ा 7,110 करोड़ रुपये था। यह गिरावट ऐसे समय में आई है जब सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) ने रिकॉर्ड ऊंचाई छू ली है और इक्रिटी म्युचुअल फंड्स में कुल शुद्ध प्रवाह भी बढ़ा है, जिससे निवेशकों की बदलती

प्राथमिकताओं पर सवाल खड़े हो गए हैं। एम्फी के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में 22 नई ओपन-एंडेड स्कीमों ने 2,372 करोड़ रुपए जुटाए, जो अगस्त में 26 स्कीमों द्वारा जुटाए गए 7,110 करोड़ रुपए से काफी कम है। यह स्थिति तब हैरान करती है जब सितंबर में इक्रिटी म्युचुअल फंड्स में शुद्ध प्रवाह लगभग 31 फीसदी बढ़कर 38,307 करोड़ रुपए रहा और एसआईपी के माध्यम से रिकॉर्ड 32,490 करोड़ रुपए का निवेश आया। श्रेणीवार देखें तो, इक्रिटी, हाइब्रिड और डेट तीनों ही एनएफओ कैटेगरी के कलेक्शन में भारी गिरावट दर्ज की



गई। इक्रिटी एनएफओ का कलेक्शन 3,051 करोड़ रुपए से घटकर 998 करोड़ रुपए रह गया, जबकि हाइब्रिड और डेट एनएफओ में भी समान रुझान दिखा।

हालांकि, इंडेक्स फंड्स में एनएफओ की संख्या और कलेक्शन दोनों में बढ़ोतरी देखी

गई। विशेषज्ञ मानते हैं कि निवेशक अब पुराने और स्थापित फंड्स को तरजीह दे रहे हैं, जिनका पिछला प्रदर्शन उन्हें बेहतर मूल्यंकन का आधार देता है। निवेशकों को एनएफओ में निवेश से पहले उसकी रणनीति, जोखिम और लागत को समझने की सलाह दी जाती है।

वाहनों को कबाड़ में बदलने फोर्स मोटर्स ने रोस्मार्ट से साझेदारी की

मुंबई ।

पुणे स्थित फोर्स मोटर्स ने पुणे वाहनों को कबाड़ में बदलने के लिए रोस्मार्ट ऑटो रीसाइक्लिंग के साथ साझेदारी की है। गुरुवार को बयान में यह जानकारी दी गई। रोस्मार्ट ने कहा कि इस साझेदारी से फोर्स मोटर्स के ग्राहकों को उसकी सुविधा का लाभ मिलेगा और समय सीमा पूरी कर चुके वाहनों को हटाने के लिए एक निर्धारित प्रक्रिया उपलब्ध होगी।



इस साझेदारी के तहत पात्र वाहनों के लिए जरूरी दस्तावेजी कार्रवाई और कबाड़ बनाने की प्रक्रियाएं पूरी की जाएंगी। बयान के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में संचालित अधिकृत पंजीकृत वाहन कबाड़ सुविधा (आरबीएसएफ) रोस्मार्ट प्रदूषण नियंत्रण, वाहन खोलने और सामग्री पुनः प्राप्त करने की प्रक्रियाओं के जरिये समय सीमा पूरी कर चुके वाहनों के पुनर्वर्णन के लिए पर्यावरण संबंधी मानकों के अनुरूप समाधान उपलब्ध कराती है।

महंगी विदेश यात्रा से बढ़ा घरेलू पर्यटन

राज्य पर्यटकों को आकर्षित करने में जुटे

नई दिल्ली ।

त्योहारों के इस मौसम में महंगी विदेश यात्रा और देश में घूमने की बढ़ती दिलचस्पी के कारण घरेलू पर्यटन में उछाल आया है। कई विशेष पैकेज, प्रचार अभियान और नए पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देकर पर्यटकों को आकर्षित करने में जुटे हैं।

केरल बेहतर अनुभव देने के लिए विशेष पर्यटन पैकेज पेश कर रहा है, उत्तर प्रदेश ने 'ब्रिजिट माई स्टेट' अभियान शुरू किया है, और राजस्थान सरकार एडवेंचर टूरिज्म, डेजर्ट सफारी तथा ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा दे रही है। भारत में घरेलू पर्यटकों की यात्राओं की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है; वर्ष 2025 में इसके 4.28 अरब तक पहुंचने का अनुमान है, जो 2024 के 2.9 अरब से लगभग डेढ़ गुना अधिक है। 2011 से 2024 के बीच घरेलू यात्राओं में सालाना औसतन 9.89 फीसदी की वृद्धि हुई है। विदेश यात्राओं की लागत में 20-30 फीसदी की बढ़ोतरी,

वैश्विक भू-राजनीतिक अनिश्चितता, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और विमानन कंपनियों द्वारा उड़ानों में कटौती जैसे कारणों से हवाई यात्रा महंगी हो गई है, जिससे लोगों का ध्यान देश के भीतर यात्रा विकल्पों की ओर अधिक हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देखो अपना देश की अपील भी घरेलू पर्यटन को बढ़ावा दे रही है। इसके अलावा अब पर्यटक पारंपरिक स्थलों के बजाय नए और अलग तरह के अनुभवों की तलाश कर रहे हैं, जैसे धार्मिक व आध्यात्मिक यात्राएं, वन्यजीव सैर, रोमांचक पर्यटन, वेलनेस सेंटर और ग्रामीण जीवन के अनुभव।

उपभोक्ताओं के व्यवहार में बदलाव और यात्रा सुविधाओं में सुधार ने भी घरेलू पर्यटन को बढ़ावा दिया है। केंद्र सरकार की स्वदेश दर्शन 2.0 और प्रसाद योजना जैसी पहल भी राय्यों के इन प्रयासों को मजबूत कर रही हैं, जिससे कम चर्चित पर्यटन स्थल भी लोगों की पहुंच में आ रहे हैं।



अनुपम खेर ने शेयर किया इमोशनल नोट, कहा- मां से मिले दो महीने हो गए, पृष्ठ रही हैं, 'तू कब आएगा?'

दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर इन दिनों घर और परिवार से दूर अपने काम में व्यस्त चल रहे हैं। अभिनेता अनुपम खेर ने अपनी मां दुलारी को याद करते हुए एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने बताया कि मां से मिले हुए लगभग दो महीने हो गए हैं। अनुपम ने इंस्टाग्राम पर अपनी मां की दो तस्वीरें शेयर कीं और बताया कि वह रोज भाई राजू खेर के फोन पर फेसटाइम के जरिए उनसे बात करते हैं। अनुपम खेर ने फोटो के साथ पोस्ट में लिखा, 'मां से मिले लगभग दो महीने हो गए हैं। हालांकि, रोजाना राजू के फोन पर फेसटाइम पर बात हो जाती है, क्योंकि मां स्मार्टफोन नहीं चलाती हैं। आज बात करते-करते बोलीं, तू कब आएगा? कितने दिन हो गए तुझसे मिले हुए। तू मेरी शक्ल भूल तो नहीं गया?' अभिनेता ने बताया कि मां की बात सुनकर वह भावुक हो गए। उन्होंने लिखा, 'मां की यह बात सुनकर हंसी भी आई और आंखें भी भर आईं। कितनी मासूम है मां। मैं वीडियो कॉल पर उनसे बात कर रहा था और मुझे समझ में आ रहा था कि वो क्या कहना चाहती हैं। असल में वह जब तक मुझे गले न लगा लें, पास बैठकर जी भर के बातें न कर लें, तब तक मां के लिए कहाँ मिलना होता है।' अनुपम खेर ने आगे लिखा, 'फोन पर तो बस चेहरा दिख जाता है, लेकिन बच्चे के घर आने का इंतजार तो वहीं का वहीं रहता है।' अभिनेता ने बताया कि मां फिर बोलीं, 'अच्छा चल, अपना खयाल रख। कोई बात नहीं ज़ कोई बात नहीं।' उन्होंने कहा कि मां की इस कोई बात नहीं में कितना कुछ होता है। अभिनेता ने अपनी मां के लिए लिखा, 'कैसे बताऊँ आपको मां, आपका चेहरा मेरे दिल में बसा हुआ है। आखें बंद करता हूँ, तो आपके हजारों चेहरे नजर आते हैं। कभी हंसते हुए, कभी डांटते हुए, कभी फिक्क करते हुए और हर बार उतना ही प्यार करते हुए। आपका चेहरा कैसे भूल सकता हूँ, मां? मेरी तो पूरी दुनिया ही आपके आंचल में है।'

मीका सिंह ने जताई चिंता

अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग की घटना के बाद गायक मीका सिंह ने मुंबई में सार्वजनिक सुरक्षा पर चिंता जताई है। सिंह ने सरकार और संबंधित अधिकारियों से नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मजबूत कदम उठाने का आग्रह किया। सोशल मीडिया पर मीका ने इस घटना पर चिंता व्यक्त की और कहा कि मुंबई को पारंपरिक रूप से भारत के सबसे सुरक्षित शहरों में से एक माना जाता है, जहां लोग, विशेषकर महिलाएं, देर रात यात्रा करने और चलने में आत्मविश्वास महसूस करती हैं। उन्होंने लिखा, मुंबई को हमेशा से भारत के सबसे सुरक्षित शहरों में से एक के रूप में जाना जाता है, जहां लोग-खासकर महिलाएं-देर रात तक चलने, काम करने और यात्रा करने में आत्मविश्वास महसूस करती हैं। लेकिन टाइगर श्रॉफ से जुड़ी घटना के बाद, यह हमारी सुरक्षा के बारे में गंभीर चिंता पैदा करता है। गायक ने इस बात पर जोर दिया कि किसी को भी शहर में घूमते समय डर महसूस नहीं होना चाहिए और अधिकारियों से मामले को गंभीरता से लेने की अपील की।



रोमांस और संगीत का जादू कभी खत्म नहीं होता: गुरमीत चौधरी

अपनी आगामी रोमांटिक म्यूजिकल फिल्म तुम मेरे हो को लेकर बॉलीवुड अभिनेता गुरमीत चौधरी उत्साहित हैं। गुरमीत की यह फिल्म एक प्रेम कहानी पर आधारित है जिसमें आठ गाने मौजूद हैं। गुरमीत का मानना है कि बॉलीवुड में रोमांस और संगीत का जादू कभी खत्म नहीं होता। उन्होंने कहा कि फिल्मों में कहानियाँ और उनका प्रस्तुतिकरण भले ही समय के साथ बदलता रहे, लेकिन प्यार की कहानियाँ और दिल को छू लेने वाले गीत हमेशा दर्शकों के दिलों में अपनी खास जगह बनाए रखते हैं। गुरमीत चौधरी ने बातचीत में बताया कि तुम मेरे हो को काफी प्यार के साथ बनाया गया है। इसमें रोमांस, म्यूजिक और एक खूबसूरत लव स्टोरी देखने को मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि फिल्म में कुल आठ गाने हैं, जिन्हें बेहतरीन म्यूजिक कंपोजर्स और सिंगर्स ने तैयार किया है, और तीन गाने तो पहले ही हिट हो चुके हैं। गुरमीत के अनुसार, प्यार की कहानियों की अपनी एक अलग जगह होती है; एक अच्छी लव स्टोरी हमेशा लोगों के दिलों से जुड़ती है और इसका असर लंबे समय तक बना रहता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि तुम मेरे हो सिर्फ रोमांस पर आधारित फिल्म नहीं है, बल्कि इसमें म्यूजिक भी कहानी का एक अहम हिस्सा है। बॉलीवुड में रोमांटिक फिल्मों की लोकप्रियता पर बात करते हुए गुरमीत ने कहा कि पिछले कुछ सालों में कई इंटेंस कहानियाँ वाली फिल्में आई हैं और दर्शकों ने उन्हें पसंद भी किया है। हालाँकि, अच्छी कहानियाँ और यादगार गानों वाली रोमांटिक फिल्मों का अपना अलग क्रेज आज भी बना हुआ है। उन्होंने आशिकी, आशिकी 2 और सैयारा जैसी फिल्मों का उदाहरण देते हुए कहा कि इन फिल्मों में म्यूजिक और रोमांस का मेल दर्शकों को हमेशा आकर्षित करता रहा है। गुरमीत ने समझाया कि अच्छी धुनें और प्यार से जुड़ी कहानियाँ लोगों के साथ आसानी से जुड़ जाती हैं, और यही वजह है कि रोमांटिक फिल्मों के गाने लंबे समय तक लोगों की जुबान पर रहते हैं और फिल्म की पहचान बन जाते हैं। उन्होंने भारतीय संस्कृति में संगीत की अहम जगह को भी उजागर किया। गुरमीत ने

कहा कि हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में भी संगीत किसी न किसी रूप में शामिल रहता है। घर में सुबह उठने से लेकर डांट खाने तक, हर मौके पर गाने याद आ जाते हैं। ऐसे में अगर किसी फिल्म में अच्छे गाने हों, तो दर्शकों के सिनेमाघरों तक पहुँचने की संभावना भी बढ़ जाती है।



बचपन में सीता का किरदार निभाया करती थीं हर्षिता गौर

सीरीज मिर्जापुर की अभिनेत्री हर्षिता गौर ने अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए दशहरे के त्योहार से जुड़ी खूबसूरत यादें साझा की हैं। सीरीज में डिम्पी पंडित और सद्वा हक में संयुक्ता के किरदार से घर-घर में पहचान बनाने वाली हर्षिता गौर ने बताया कि दिल्ली में दशहरा एक खास रीतिक लेकर आता था, और वह बचपन में स्कूल व सोसायटी के कार्यक्रमों में सीता का किरदार निभाया करती थीं। यह त्योहार उनके परिवार और शहर के उत्साह का प्रतीक था, और रावण दहन के बड़े-बड़े पुतले उनकी यादों का एक अविस्मरणीय हिस्सा रहे हैं। हर्षिता गौर ने कहा, दिल्ली में दशहरे की अपनी अलग रीतिक होती है, खासकर जब आप इसे बचपन की यादों के साथ देखते हैं। उन्होंने रावण के विशाल पुतलों को लेकर बचपन में होने वाले उत्साह और त्योहार के दौरान पूरे शहर में नजर आने वाले जश्न का जिक्र किया। अभिनेत्री ने अपनी उन यादों को भी साझा किया जब वह दशहरे पर स्कूल या अपनी सोसायटी के मैदान में होने वाले नाटकों में सीता का किरदार निभाती थीं। उन्होंने कहा कि वे यादें आज भी उनके साथ हैं, और परिवार के साथ बाहर जाकर जश्न का हिस्सा बनना तथा सबके साथ मिलकर त्योहार मनाना, इन सब चीजों

ने दशहरे को उनके लिए खास बनाया। अपने पुराने दिनों को याद करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि जिंदगी में आगे बढ़ने के बाद भी बचपन के ये पल हमेशा याद रहते हैं। उन्होंने महसूस किया कि कई बार साधारण-सी दिखने वाली यादें ही समय के साथ सबसे खास बन जाती हैं। हर्षिता ने कहा, आज जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूँ, तो इन्हीं छोटे-छोटे पलों को सबसे ज्यादा संजोकर रखती हूँ। बचपन की ये यादें उसके बीत जाने के लंबे समय बाद भी आपके साथ रहती हैं। वर्कफंट की बात करें तो, हर्षिता गौर हाल ही में मिर्जापुर-द मूवी में नजर आई थीं। यह गैंगस्टर ड्रामा फिल्म मिर्जापुर की दुनिया पर आधारित है, जिसका निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है। इस फिल्म में पंकज त्रिपाठी, अली फजल, दिव्येंद्र, जितेंद्र कुमार और रवि किशन जैसे जाने-माने कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म वेब सीरीज के पहले सीजन की कहानी के दौरान की घटनाओं को दर्शाती है। इसके अलावा, हर्षिता ओटीटी पर क्राइम ड्रामा सीरीज वेटिंग है में भी नजर आई थीं, जिसका निर्देशन समीर विद्वांस ने किया था। इस सीरीज में दिव्येंद्र, भुवन अरोड़ा, कुमुद मिश्रा और सुनीता राजवर जैसे कलाकार भी शामिल थे।

नई नवेली ने दो दिनों में कमाए 10.3 करोड़



यामी गौतम अभिनीत फिल्म 'नई नवेली' बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत करती नजर आ रही है। फैंटेसी और फैमिली एंटरटेनमेंट से भरपूर इस फिल्म ने रिलीज के दूसरे दिन कमाई में बढ़त दर्ज की है। फिल्म ने पहले दिन दुनियाभर में 4.6 करोड़ रुपये का ग्राँस कलेक्शन किया था, जबकि दूसरे दिन 5.7 करोड़ रुपये कमाए। इस तरह फिल्म का कुल वर्ल्डवाइड ग्राँस कलेक्शन दो दिनों में 10.3 करोड़ रुपये हो गया है। मेकर्स को उम्मीद है कि त्योहारों के सीजन में फिल्म को परिवारों का अच्छा साथ मिलेगा। 'नई नवेली' की दूसरे दिन की कमाई में आई बढ़त से मेकर्स को आने वाले दिनों के लिए उम्मीद है। फिल्म की कहानी, फैंटेसी से भरी दुनिया और यामी गौतम के नए अवतार को दर्शकों के सामने इसकी खासियत के तौर पर पेश किया जा रहा है। फिल्म में महाकाव्य की कहानी को पारिवारिक भावनाओं और एक्शन के साथ जोड़ने की कोशिश की गई है। मेकर्स के मुताबिक, फिल्म में अनोखे किरदार, अप्रत्याशित ट्विस्ट और अच्छाई-बुराई के बीच की लड़ाई देखने को मिलती है। यही वजह है कि इसे फैमिली एंटरटेनर के तौर पर दर्शकों तक पहुंचाया जा रहा है।

विजयादशमी पर पुरी पहुंचे बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा, श्रीमंदिर में भगवान जगन्नाथ के किए दर्शन

बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा ने विजयादशमी के मौके पर ओडिशा के पुरी में मौजूद श्रीमंदिर के दर्शन किए। उन्होंने भगवान जगन्नाथ की पूजा-अर्चना करने के साथ सभी के लिए, खासकर बच्चों के लिए, ईश्वरीय आशीर्वाद मांगा। इस दौरान गोविंदा ने कहा कि विजयादशमी के अवसर पर प्रभु ने मुझ पर यह कृपा की कि मैं यहां आकर प्रार्थना और पूजा कर पाया। मैं धन्यवाद देता हूँ इस भूमि का, यहां से जुड़े हुए हर वर्ग का और यहां के जो-जो कलाकार हैं, जहां-जहां हैं उनको। उन्होंने कहा, 'यहां जो राज्य कृपा है, वह सदैव रहे। जय मां। भूल-चूक क्षमा करना। मैं प्रार्थना करता हूँ कि जो कृपा हम पर रही, वही मेरे बच्चों पर भी रहे।' इस दौरान उन्होंने 'महामृत्युंजय मंत्र' का भी जाप किया और सभी के मंगल की कामना की। बता दें कि गोविंदा हिंदी सिनेमा के एक लोकप्रिय अभिनेता होने के साथ-साथ डॉक्टर और राजनेता हैं। अपनी बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग और पढ़े पढ़ी जाने वाली कॉमेडी की बदौलत, उन्हें बॉलीवुड का 'कॉमेडी किंग' भी माना जाता है। 1990 के दशक में, उन्होंने कॉमेडी और व्यंग्य की अपनी अनूठी शैली से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया और अपनी फिल्मों में कई तरह के अलग-अलग किरदार निभाए। अभिनेता ने 1980 के दशक में एक एक्शन हीरो के रूप में अपने करियर की शुरुआत की, लेकिन 1990 के दशक में उन्होंने खुद को एक कॉमेडी हीरो के रूप में फिर से स्थापित किया। गोविंदा मुख्य रूप से 'कूली नंबर 1', 'हीरो नंबर 1', 'आंटी नंबर 1' और 'अनाड़ी नंबर 1' जैसी सुपरहिट मनोरंजक फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। एक्टर ने अपने तीन दशक लंबे करियर में 150 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। आज भी लोग फिल्मों में उनकी कॉमेडी और डांस मूव्स के दिवाने हैं।



पुलिस की नौकरी बहुत मुश्किल है, लेकिन कुछ लोग पावर का गलत इस्तेमाल करते हैं: मनोज बाजपेयी

अभिनेता मनोज बाजपेयी सस्पेंस थ्रिलर फिल्म 'गजब रात' में अजय दीक्षित नाम के एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगे। अभिनेता ने बताया कि वह सिर्फ वर्दी का किरदार नहीं निभा रहे हैं, बल्कि वर्दी के पीछे जो इंसान है, उसकी कहानी निभा रहे हैं। मनोज बाजपेयी ने कहा, 'मैं किसी भी वर्दी का किरदार नहीं निभा रहा हूँ, बल्कि वर्दी के पीछे एक इंसान का किरदार निभा रहा हूँ। मेरा मानना है कि हर व्यक्ति की अपनी कहानियाँ, परेशानियाँ और सफर होता है, तो हम बस उसे ही दिखाने का प्रयास कर रहे हैं।'

मनोज ने बताया कि उनके लिए वर्दी से ज्यादा उस इंसान और उसकी जिंदगी को दिखाना जरूरी है। उन्होंने कहा, 'हम किरदार पर ज्यादा ध्यान देते हैं, उसके पेशे पर नहीं। जब उसके पीछे की कहानी बनती है, तो वो सब कुछ खुद ही बता देती है। इसीलिए आपको मेरा कोई भी किरदार एक जैसा नहीं लगेगा।' अभिनेता का मानना है कि पुलिस की नौकरी बहुत मुश्किल और चुनौतीभरी होती है और उनके कई दोस्त खुद पुलिस में हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ पुलिस वाले अपनी पावर का गलत इस्तेमाल भी करते हैं।

मनोज बाजपेयी ने कहा, 'हर पेशे में अलग-अलग तरह के लोग होते हैं, तो मेरे लिए ये देखना बेहद जरूरी है कि मैं जिससे बात कर रहा हूँ, जिसका काम देख रहा हूँ या जिसकी तारीफ और बुराई हो रही है, तो वाकई उसके लिए ठीक है या नहीं। मैं जानता हूँ कि पुलिस की ड्यूटी बहुत ही मुश्किल होती है। मेरे बहुत सारे अच्छे दोस्त पुलिस में हैं, लेकिन कई बार हम ऐसी खबरें भी पढ़ते हैं, जहां कुछ लोग अपनी ताकत का गलत इस्तेमाल करते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'वैसे ही हमारी इंडस्ट्री में भी बहुत सारे अच्छे एक्टर हैं, लेकिन एक-दो लोगों की वजह

से पूरी इंडस्ट्री की बदनामी हो जाती है। हमेशा ऐसा होता है कि आप किसी को हमारे पेशे में एकदम भगवान बना देते हैं और फिर बाद में किसी दूसरे के गलत करने पर उस पर भी सवाल उठाने लगते हैं। हमें हर इंसान को अलग-अलग नजर से देखना चाहिए और मैं यही करता हूँ।' रितेश शाह द्वारा निर्देशित फिल्म एक वन-नाइट थ्रिलर है, यानी पूरी कहानी एक ही रात के घटनाक्रम पर आधारित है। इसमें मनोज बाजपेयी के अलावा, नुसरत भरुचा, दिव्या दत्ता, साकिब सलीम और अक्षय ओबेरॉय भी अहम भूमिकाओं में हैं।



रूसका एसयू- 30 फाइटर जेट कलिनिनग्राद में दुर्घटनाग्रस्त, क्रू सुरक्षित

मॉस्को,एजेंसी। रूस का एक ताकतवर एसयू- 30 मल्टीरोल फाइटर जेट शनिवार, 2 1 अक्टूबर को कलिनिनग्राद क्षेत्र में नियमित ट्रेनिंग उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस घटना ने बाल्टिक सागर के आसपास के रणनीतिक इलाकों को एक बार फिर चर्चा में ला दिया है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने बताया कि विमान में सवार क्रू ने समय रहते इजेवट कर लिया और जमीन पर मौजूद सर्व एंड रेस्क्यू टीम ने उन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हालांकि, मंत्रालय ने क्रू के सदस्यों की चोटों या विमान दुर्घटना के कारणों के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं दी है। एक रूसी समर्थक टेलीग्राम चैनल के अनुसार, विमान कलिनिनग्राद से लगभग 90 किलोमीटर पूर्व में चेन्याखोव्स्क शहर के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ। इस चैनल ने यह भी दावा किया कि दोनों पायलट घायल हुए और उन्हें सैन्य अस्पताल ले जाया गया, हालांकि रूसी रक्षा मंत्रालय ने इस पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। रक्षा मंत्रालय ने यह स्पष्ट किया कि दुर्घटना के समय विमान में कोई इथियार नहीं था। फिलहाल इस घटना को ट्रेनिंग उड़ान के दौरान हुआ एक हादसा माना जा रहा है, और उपलब्ध जानकारी में किसी बाहरी हमले या कार्रवाई की पुष्टि नहीं हुई है। एसयू- 30 रूस का दो सीटों वाला एक उन्नत मल्टीरोल फाइटर जेट है। इसे हवा में दुरुमान के विमानों से मुकाबला करने और जमीन पर मौजूद लक्ष्यों पर हमला करने सहित विभिन्न सैन्य अभियानों के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसकी दो सीटों वाली संरचना पायलट और एक अन्य क्रू सदस्य को उड़ान और मिशन से जुड़े कामों के दौरान बेहतर समन्वय और कार्यभार प्रबंधन में मदद करती है, जिससे इसकी बहुमुखी क्षमता बढ़ जाती है। यह घटना रूस के कलिनिनग्राद क्षेत्र में हुई है, जो रूस का एक एकसक्लेव (मुख्य भूभाग से अलग स्थित क्षेत्र) है। यह बाल्टिक सागर के तट पर स्थित है और नाटो सदस्य देशों पोलैंड और लिथुआनिया के साथ अपनी सीमा साझा करता है। अपनी रणनीतिक स्थिति के कारण, कलिनिनग्राद में रूस की भारी सैन्य उपस्थिति रहती है और इसे बाल्टिक सागर क्षेत्र में रूस के लिए एक महत्वपूर्ण भौगोलिक चौकी माना जाता है। इस संवेदनशील क्षेत्र में एक लड़ाकु विमान का दुर्घटनाग्रस्त होना, भले ही इसे एक प्रशिक्षण दुर्घटना बताया गया हो, क्षेत्रीय सुरक्षा और भू-राजनीतिक दृष्टिकोण से हमेशा महत्वपूर्ण माना जाता है।

पाकिस्तान, तुर्की, कतर और इंडोनेशिया ने बद्र रक्षा समझौते पर किए हस्ताक्षर

दोहा, एजेंसी। पाकिस्तान, तुर्की, कतर और इंडोनेशिया ने मिलकर रक्षा सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। दोन चारों देशों ने बुधवार को कतर की राजधानी दोहा में एक बहुप्रतीक्षित ‘बद्र समझौता झानुव’ पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते का प्राथमिक उद्देश्य रक्षा उत्पादन, सैन्य प्रशिक्षण और नई तकनीक के क्षेत्र में एक साथ मिलकर काम करना है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब पाकिस्तान और तुर्की जैसे देश पहले से ही अपने रक्षा संबंधों को मजबूत कर रहे हैं, और इसे उनकी रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के एक महत्वपूर्ण संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। समझौते का मुख्य जोर चारों देशों के बीच रक्षा उद्योग से जुड़े सहयोग को बढ़ाना है। इसके तहत ये देश अपनी मौजूदा रक्षा क्षमताओं और औद्योगिक अनुभव का प्रभावी ढंग से उपयोग करते हुए एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करेंगे। बद्र समझौते में तीन प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष जोर दिया गया है- पहला, रक्षा उत्पादन, जिसमें चारों देशों के रक्षा उद्योगों के बीच तालमेल बढ़ाना और संयुक्त उत्पादन क्षमता को मजबूत करना शामिल है। दूसरा, सैन्य प्रशिक्षण, जिसमें सैनिकों और रक्षा क्षेत्र से जुड़े कर्मियों के प्रशिक्षण में गहन सहयोग करना है; और तीसरा, रिसर्च एवं नई तकनीक, जिसमें रक्षा से संबंधित अनुसंधान और विकास में साझा प्रयास करना है। यह त्रि-आयामी दृष्टिकोण उनकी सामूहिक रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

13 देशों के 101 संगठन गुप्त तरीके से भड़का रहे हिंसा की आग

भारत से फांस तक हिंसक प्रदर्शनों के पीछे की कहानी

पेरिस,एजेंसी। दुनिया भर में भड़कने वाले हिंसक विरोध-प्रदर्शनों और जनादोलनों के पीछे एक सुनियोजित अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट एक निरन्तरिखोज पर्दाफाश हुआ है। एक विस्तृत खोजी रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि 1 3 देशों के 1 01 संगठन मिलकर एक ग्लोबल प्रोटेस्ट इकोसिस्टम चला रहे हैं। इस खुलासे के मुताबिक फ्रांस की सड़कों पर मचे बवाल से लेकर भारत और अन्य मुल्कों में युवाओं के नेतृत्व में होने वाले बड़े आंदोलनों के तार आपस में सीधे जुड़े हुए हैं। यह नेटवर्क स्थानीय मुद्दों और जनआक्रोश को हवा देकर सीमाओं के पार अराजकता फैलाने और उसका दायरा बढ़ाने का काम कर रहा है। यह पड़साला उस अग्रभू भर में सरकारों के खिलाफ असंतोष भड़काने और विरोध को खाद-पानी देने के लिए तालमेल बिखता है। एक पुरानी जांच में फ्रांस के छात्र विरोध-प्रदर्शनों से जुड़े 50 संगठनों की पहचान की गई थी, जो अब बढ़कर 1 01 तक पहुंच गई है।

मध्यावधि चुनावों के बीच छिड़ी बहस 2028 में अमेरिका का राष्ट्रपति कौन?

ट्रंप ने इस पर कहा- इस बारे में बात करना अभी बहुत जल्दबाजी होगी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों की सरगमीं के बीच देश की भावी राजनीति को लेकर नई बहस छिड़ गई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बाद रिपब्लिकन पार्टी का अगला चेहरा कौन होगा और 2028 के राष्ट्रपति चुनाव में उनकी जगह कौन ले सकता है, इसे लेकर कयास लगाए जाने लगे हैं। हालांकि, जब उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की दावेदारी को लेकर सवाल पूछा गया, तो राष्ट्रपति ट्रंप ने कोई भी सीधा समर्थन देने से परहेज करते हुए साफ कहा कि इस बारे में बात करना अभी बहुत जल्दबाजी होगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कई लोगों का मानना ​​​​?? है कि ट्रंप के भरोसेमंद सहयोगी और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को उनकी जगह लेनी चाहिए, लेकिन फिलहाल ऐसा नहीं लगता कि ट्रंप, वेंस को अपना उत्तराधिकारी या अगले राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार के तौर पर समर्थन देने में दिलचस्पी रखते हैं। हाल ही में 80 साल के ट्रंप जो अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में अपना दूसरा कार्यकाल पूरा कर रहे हैं उनसे वाशिंगटन में व्हाइट हाउस में एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान यही सवाल पूछा गया कि उनके बाद कौन आ सकता है और क्या वह जेडी वेंस हो सकते हैं।

अबू धाबी की मरिजद में बुर्का पहनकर पहुँचीं मलाइका, उठे धर्म परिवर्तन के सवाल

आबूधाबी,एजेंसी। बॉलीवुड अभिनेत्री और मॉडल मलाइका अरोड़ा हाल ही में अबू धाबी स्थित प्रसिद्ध शेख जायद ग़्रैंड मस्जिद के दर्शन करने पहुँचीं, इसके बाद वे सोशल मीडिया पर भारी ट्रेलिंग और विवादों में घिर गई हैं। मस्जिद हरिसर से सामने आई तस्वीरों और वीडियो में मलाइका पारंपरिक बुर्के में दिख रही हैं, जिसमें उन्होंने अपना सिर पूरी तरह ढका हुआ है। इन तस्वीरों को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर करते ही इंटरनेट उपयोगकर्ताओं ने उन्हें आड़े हाथों लेना शुरू कर दिया। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने मलाइका की यात्रा पर आपत्ति जताकर धार्मिक पहनावे में मॉडलिंग करार दिया। वहीं, अनेक यूजर्स ने सीधा सवाल पूछ लिया कि क्या उन्होंने इस्लाम धर्म अपना लिया है। कुछ ट्रेोलर्स ने उनकी तुलना अन्य विवादित हस्तियों से की, तब कुछ ने यह तंज कसा कि क्या उन्होंने भारत के प्रसिद्ध राम मंदिर, जगन्नाथ मंदिर या तिरुपति बालाजी के दर्शन भी इतनी श्रद्धा के साथ किए हैं। इस मस्जिद यात्रा के दौरान मलाइका के साथ योग गुरु और सरवा वेलेनेस प्लेटफॉर्म के संस्थापक सर्वेश शशि भी मौजूद थे। दोनों को एक साथ देखकर सोशल मीडिया पर उनके रिश्ते को लेकर भी कयासों का बाज़ार गर्म हो गया और यूजर्स ने उनके बीच नए अफेयर की चर्चा शुरू कर दी। फोर्ब्स 30 अंडर 30 एशिया सूची में शामिल रह चुके सर्वेश और मलाइका की साथ में कई तस्वीरें वायरल हो रही हैं। हालाँकि, अपने धर्म परिवर्तन की अफवाहों, सर्वेश शशि के साथ जुड़ रहे नाम और सोशल मीडिया पर हो रही भयंकर ट्रेलिंग को लेकर मलाइका की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान या प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।



पत्रकार के सवाल का जवाब देते हुए ट्रंप ने कहा कि उन्होंने इस बारे में वेंस या किसी और से कभी कोई बात नहीं की है। उन्होंने कहा कि देखिए, मैं आपको इतना बता सकता हूँ कि वेंस बहुत प्रतिभाशाली और अच्छे ईंसान हैं, लेकिन सच कहूँ तो... मुझे नहीं लगता कि हमने इस बारे में कभी कोई बातचीत की है। ट्रंप के ठीक पीछे खड़े वेंस ने मुस्कुराते हुए हामी भरी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने कहा कि जी नहीं सर, मैंने भी यही कहा था। ट्रंप ने पत्रकार से कहा कि किसी का समर्थन करने के लिए अभी बहुत जल्दी है। फिलहाल वह और रिपब्लिकन पार्टी 3 नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनावों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

हालांकि इस बात पर बहस चल रही है कि ट्रंप के बाद कौन आएगा, लेकिन पिछले साल वेंस ने कहा था कि अगर कोई अनहोनी होती है, तो वह अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में जिम्मेदारी संभालने के लिए वह तैयार हैं। इससे परोक्ष रूप से देश के सर्वोच्च पद के लिए उनकी महत्वाकांक्षा झलकती है। पिछले साल अगस्त में एक इंटरव्यू में वेंस ने कहा था कि मुझे पूरा भरोसा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति की सेहत अच्छी है, वे अपना बचा हुआ कार्यकाल पूरा करेंगे और अमेरिकी लोगों के लिए बेहतरीन काम करेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि अगर ईश्वर न करे कोई बड़ी अनहोनी हो जाती है, तो पिछले 200 दिनों में मुझे जो अनुभव मिला है, उससे बेहतर ऑन-द-जाॅब ट्रेनिंग और क्या हो सकती है। हालांकि, ट्रम्प ने वेंस को अपना उत्तराधिकारी मानने से इनकार कर दिया है, जिसके चलते अब इस बात पर फिर से बहस छिड़ गई है कि 2028 के राष्ट्रपति चुनाव में उनकी जगह कौन लेगा। अमेरिकी संविधान के मुताबिक कोई भी व्यक्ति केवल दो बार ही राष्ट्रपति बन सकता है। ट्रम्प का पहला कार्यकाल 2016 से 2020 तक था, और उनका दूसरा कार्यकाल 2024 के बाद शुरू हुआ। वे 2028 तक इस पद पर बने रहेंगे।

यूएन में भारत ने पाकिस्तान को दिखाया आईना, आतंकवाद और दाऊद को लेकर घेरा

पुरी ने दो टूक कहा- आतंकवाद को किसी भी परिस्थिति में जायज नहीं ठहराया जा सकता

जेनेवा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान को आतंकवाद और अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के मुद्दे पर करारा जवाब दिया है। यूएन की थर्ड कमेटी में भारत के फस्ट सेक्रेटरी रघू पुरी ने स्पष्ट रूप से कहा कि रिपोर्टों में तथ्यात्मक गलतियां अस्वीकार्य हैं, खासकर जब डी-कंपनी के सरगना डॉन दाऊद इब्राहिम का अल-कायदा से संबंध बताने वाले संदर्भ को गलत तरीके से प्रस्तुत किया जा रहा हो।

पुरी ने जोर देकर कहा कि दाऊद इब्राहिम 1993 से भारत में हुए आतंकवादी हमलों के सिलसिले में फरार है और संयुक्त राष्ट्र के 1267 प्रतिबंध तंत्र के तहत उसकी सूचीबद्धता के कारणों में भी इसका स्पष्ट उल्लेख है। उन्होंने पाकिस्तान को आईना दिखाते हुए ओसामा बिन लादेन का उदाहरण दिया, जिसे उसी देश में खोजकर मार गिराया गया था, जहां दाऊद इब्राहिम के रहने की बात कही जाती है। यह अप्रत्यक्ष



रूप से पाकिस्तान की उस पुरानी बात को खारिज करता है कि उसकी धरती पर कोई आतंकवादी नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने साफ तौर पर कहा कि मानवाधिकारों के ढांचे को आतंकवादियों, कट्टरपथ और उग्रवाद फैलाने वालों की शरणस्थली नहीं बनने दिया जा सकता। पुरी ने दो टूक शब्दों में कहा कि आतंकवाद को किसी भी

परिस्थिति में जायज नहीं ठहराया जा सकता, चाहे कोई भी बहाना क्यों न दिया जाए। यह पाकिस्तान के उस रवये पर सीधा हमला था। पाकिस्तान ने तर्फ से दिए गए बयान पर निशाना साधते हुए पुरी ने इसे संकीर्ण राजनीतिक लाभ के लिए किया गया दुष्प्रचार बताया। उन्होंने पाकिस्तान की आंतरिक राजनीति

पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि वहां की सेना ही वास्तविक शासक है, जिससे पाकिस्तान के लोकतांत्रिक दावों की पोल खुलती है। भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्पष्ट संदेश दिया है कि वह आतंकवाद के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं करेगा और पाकिस्तान के किसी भी दुष्प्रचार का मुंहतोड़ जवाब देगा।

पुतिन अमेरिका और यूक्रेन से बातचीत के लिए सहमत: यूक्रेन युद्ध पर शांति वार्ता जारी

वाशिंगटन, एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने के लिए वाशिंगटन और कीव के साथ त्रिपक्षीय वार्ता फिर से शुरू करने पर सैद्धांतिक रूप से सहमत हो गए हैं। क्रेमलिन के विदेश मामलों के सलाहकार युरी उशाकोव ने सेंट पीटर्सबर्ग में पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूत स्टीव वित्कोफ के बीच करीब तीन घंटे चली बैठक के बाद यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रूसी नेता 10 नवंबर के बाद वार्ता फिर शुरू करने पर सहमत हुए हैं, जिसका केंद्र संघर्ष समाप्त होने के बाद रूस और यूक्रेन के लिए एक सुरक्षा व्यवस्था तैयार करना होगा। वित्कोफ की पुतिन के साथ बातचीत ऐसे

समय हुई, जब ट्रंप कीव पर लड़ाई रोकने के लिए समझौता करने का दबाव बना रहे हैं। बातचीत शुरू होने पर पुतिन ने युद्ध समाप्त करने के प्रयासों के लिए ट्रंप और वित्कोफ को धन्यवाद दिया। वित्कोफ का यह दौरा नॉर्वे की राजधानी ओस्लो में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेन्स्की और यूरोप के कुछ नेताओं के साथ उनकी बैठक के एक दिन बाद हुआ था, जिसमें फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टेब ने वास्तविक ग्णति की बात कही थी। हालांकि, रूस और यूक्रेन के बीच समझौते की शर्तों को लेकर अब भी काफी मतभेद हैं, और जेलेन्स्की ने युद्ध समाप्त करने के लिए रूस की ओर से संघर्ष को रोकना

न्यूनतम शर्त बताया है। वित्कोफ ने पुतिन को ओस्लो में हुई बैठक के बारे में जानकारी देते हुए उसे ‘उपयोगी’ बताया और कहा कि शांति प्रयासों में ‘कुछ हद तक गति’ दिखाई दे रही है। उन्होंने पुतिन से रूस, यूक्रेन और अमेरिका के बीच तीन देशों की बातचीत फिर शुरू करने पर विचार करने की अपील की, जिसमें युद्ध रोकने और शांति समझौते तक पहुंचने के अगले कदमों पर चर्चा हो सकती है। इसी मुलाकात के दौरान एक बड़ी खबर सामने आई, जहां रूस ने 74 साल के अमेरिकी नागरिक स्टीफन हवाई को रिहा कर दिया, जो चार साल से ज्यादा समय से कैद में थे। ट्रंप ने इसे अपने प्रति सम्मान दिखाते हुए लिया गया

फैसला बताया और कहा कि इसके बदले अमेरिका को कुछ नहीं देना पड़ा। इस बीच, रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने मंगलवार को कहा कि मॉस्को यूक्रेन को लेकर अमेरिका के नए प्रस्ताव सुनने के लिए तैयार है, लेकिन उन्हें वाशिंगटन से किसी ‘चमकार’ की उम्मीद नहीं है। यूक्रेन के प्रधानमंत्री सेरही कोरेत्स्की ने बताया कि बुधवार तड़के रूसी हमलों में कीव और तीन अन्य शहरों में ऊर्जा प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया, जिससे राजधानी में तीन लोगों की मौत हो गई और 12 लोग घायल हो गए। इन चुनौतियों के बावजूद, पुतिन की वार्ता के लिए सहमति युद्ध को समाप्त करने की कोशिशों को नई दिशा दे सकती है।

रूस ने अमेरिकी नागरिक हबर्ड को बिना शर्त रिहा किया: ट्रंप का दावा

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि उनके व्यक्तिगत हस्तक्षेप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ हुई फोन बातचीत के बाद रूस ने अमेरिकी नागरिक स्टीफन हबर्ड को बिना किसी शर्त के रिहा किया है। व्हाइट हाउस में साइबर अपराध पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान ट्रंप ने बताया कि जब वे पुतिन से यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के मुद्दे पर बात कर रहे थे, तभी उन्होंने हबर्ड की रिहाई की मांग रखी थी, इस रूसी राष्ट्रपति ने तुरंत स्वीकार किया। हबर्ड को रिहा कर दिया गया है और वे अपने परिवार तथा अमेरिकी अधिकारियों के साथ विमान से वापस अमेरिका लौट रहे हैं। ट्रंप ने विशेष जोर दिया कि स्टीफन हबर्ड की रिहाई के बदले अमेरिका ने रूस को कोई रियायत या मुआवजा नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका कभी भी इसतरह के मामलों में बदले में कुछ देने की नीति पर काम नहीं करता, क्योंकि ऐसा करने से भावी समस्याएं और बढ़ जाती हैं। उन्होंने बताया कि हबर्ड और उनका परिवार इस फैसले से बेहद खुश हैं, क्योंकि उन्हें डर था कि हबर्ड को अगले 20–25 वर्षों तक जेल में ही सड़ना पड़ेगा। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि उन्होंने रूस के खिलाफ कड़े प्रतिबंध या आक्रामक कदम उठाने के दबाव को नजरअंदाज किया, क्योंकि ऐसा करने से न केवल यूक्रेन शांति वार्ता को नुकसान पहुंचता, बल्कि हबर्ड की रिहाई भी असंभव हो जाती। रूस के साथ-साथ ट्रंप ने वैश्विक मुद्दों और ईरान की स्थिति पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी कार्रवाइयों के कारण ईरान की सैन्य और आर्थिक ताकत बुरी तरह टूट चुकी है। उसकी वायु रक्षा प्रणाली और शीर्ष नेतृत्व प्रभावित हुए हैं, जिससे वह काफी कमजोर स्थिति में पहुंच गया है। ट्रंप ने इस बात पर राहत जताई कि मध्य पूर्व और अन्य क्षेत्रीय संघर्षों में रूस और चीन की भागीदारी बेहद सीमित रही है। उन्होंने कहा कि रूस और चीन दोनों ही युद्ध का शांतिपूर्ण समाधान चाहते हैं और अमेरिका इस दिशा में उनके साथ मिलकर काम कर रहा है।

किंग फहद इंटरनेशनल एयरपोर्ट हमले में एक भारतीय सहित दो लोगों की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। रियाद, (ईएमएस)। सऊदी अरब के दम्पाम स्थित किंग फहद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुए भीषण हमले में दो लोगों की दर्दनाक मौत हुई, जबकि आठ अन्य लोग घायल हुए हैं। मृतकों में एक भारतीय और एक सऊदी नागरिक शामिल हैं। रियाद स्थित भारतीय दूतावास ने दुःख घटना की पुष्टि कर बताया कि घायलों में दो को भारतीय नागरिक शामिल हैं। दूतावास अधिकारियों के अनुसार, वे स्थानीय प्रशासन से लगातार संपर्क में हैं और पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। सऊदी अरब की जनरल अथॉरिटी ऑफ सिविल एविएशन (जीएसीए) द्वारा जारी बयान के मुताबिक, बुधवार देर रात दम्पाम हवाई अड्डे को निशाना बनाकर हमला किया गया था। इस हमले में कुल आठ लोग घायल हुए हैं, जिसमें भारत, यमन और बांग्लादेश के दो-दो नागरिक तथा सऊदी अरब और नेपाल का एक-एक निवासी शामिल हैं। घायलों में से कुछ की हालत गंभीर बनी हुई है और उन्हें निकटतम अस्पतालों में इलाज के लिए भर्ती किया गया है। रियाद प्रशासन ने सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर हवाई अड्डे को हुए नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है।



प्राथमिक राहत और सुरक्षा जांच के बाद एयरपोर्ट पर परिचालन फिर से बहाल किया गया है और उड़ानों की आवाजाही सामान्य हो गई है। दम्पाम फारस की खाड़ी के तट पर स्थित एक रणनीतिक शहर है, जो बहरीन और कतर के करीब है। उल्लेखनीय है कि उसी रात सऊदी अरब के प्रमुख तेल ठिकानों को निशाना बनाया गया। आतमको की बड़ी रिफाइनरी पर हुए ड्रोन हमले में नेपाल और फिलीपींस के नागरिकों की मौत हो गई, जबकि एक भारतीय नागरिक घायल हुआ है। इन लगातार होते हमलों के बाद अमेरिका ने अपने राजनयिकों और सरकारी कर्मचारियों को परितंत्र सहित सऊदी अरब छोड़ने की सलाह दी है।